मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, सोमवार, 23 मार्च 2026

संवत 2083, चैत्र शुक्ल 5 संवत मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 187 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▶▶ भारत में बाल मृत्यु दर में गिरावट देश के लिए सुखद संकेत

निकिता दत्ता ने ऋषिकेश में ट्रेकिंग के लिए परिवार के साथ जाने की दी सलाह 6

तंत्र-मंत्र के विवाद में हत्या, खून से लथपथ मिला बुजुर्ग का शव, इलाके में तनाव

संवाददाता

पलामू: जिले के पांकी थाना क्षेत्र के केरकी गांव में एक बुजुर्ग की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान केरकी गांव निवासी राजदेव पासवान के रूप में हुई है। पुलिस को प्राथमिक जांच में इस हत्या के पीछे ओझा-गुणी (जादू-टोना) का विवाद होने का संदेह है।

पुलिस सूत्रों से बताया कि, राजदेव पासवान अपनी पत्नी के साथ रविवार को माड़न पंचायत स्थित जंगल में महुआ चुनने गए थे। इसी दौरान उनकी पत्नी नाश्ता लेने के लिए घर लौट आईं। जब वह वापस जंगल पहुंचीं, तो वहां का नजारा देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। उन्होंने देखा कि उनके पति खून से लथपथ जमीन पर पड़े थे। पास जाकर देखने पर पता चला कि राजदेव पासवान को गोली मारी गई थी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पत्नी के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण इकट्ठा हुए और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। घटना की सूचना मिलते ही पांकी थाना पुलिस डॉग स्क्वायड के साथ मौके पर पहुंची। एसडीपीओ मनोज कुमार झा ने भी घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीनगर मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। साक्ष्य जुटाने के लिए पुलिस ने जंगल के आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान भी चलाया। एसडीपीओ मनोज कुमार झा ने बताया कि शुरूआती जांच में मामला ओझा-गुणी यानी तंत्र-मंत्र से जुड़ा विवाद लग रहा है। इलाके में तनाव की स्थितिः मृतक के परिजनों ने अपने ही गोटिया (नजदीकी रिश्तेदारों) पर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस हर पहलू की गहनता से जांच कर रही है। परिजनों के बयान के आधार पर संदिग्धों की पहचान की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। फिलहाल इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस सतर्क है और अन्य संभावित कारणों की भी तलाश कर रही है।

अब असम विधानसभा चुनाव में भी जेएमएम

कांग्रेस से गठबंधन नहीं, सीट शेयरिंग में फंसी बात, 19 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी पार्टी

संवाददाता

रांची: असम विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस के बीच गठबंधन की बातचीत आखिरकार बेनतीजा रही। लंबे मंथन के बाद भी सीट शेयरिंग पर सहमति नहीं बन सकी। कांग्रेस जहां सात सीटों से आगे बढ़ने को तैयार नहीं थी, वहीं झामुमो 20 सीटों पर दावा ठोक रहा था।

ऐसे में पार्टी ने अब अकेले चुनाव मैदान में उतरने का फैसला लिया है। झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पार्टी 19 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी, जबकि एक सीट भाकपा माले के लिए छोड़ी गई है। नामांकन की अंतिम तिथि आज होने के कारण पार्टी ने तेजी से रणनीति को अंतिम रूप दे दिया है।

असम में भी मिला तीर-धनुष चुनाव चिह्नः चुनाव से पहले झामुमो को एक बड़ी राहत मिली है। पार्टी को असम में भी उसका पारंपरिक तीर-धनुष चुनाव चिह्न आवंटित कर दिया गया है। इसके लिए पार्टी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष आवेदन दिया था, जिसे मंजूरी मिल गई।

चुनाव चिह्न मिलने के बाद संगठन में उत्साह बढ़ा है। कार्यकताओं ने इसे मनोबल बढ़ाने वाला कदम बताया है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि एक पहचान के साथ चुनाव लड़ने से मतदाताओं के बीच पहुंच बनाना आसान होगा।

टी-ट्राइब और आदिवासी वोट बैंक पर फोकसः झामुमो की पूरी रणनीति असम के टी-ट्राइब और आदिवासी वोट बैंक पर केंद्रित है। राज्य की करीब 35 से 40 विधानसभा सीटों पर इन मतदाताओं का प्रभाव निर्णायक माना जाता है। पिछले एक साल से पार्टी इस क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटी है।

केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय लगातार असम में कैंप कर रहे हैं। स्थानीय स्तर पर संगठन को सक्रिय किया जा रहा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी दो बार असम दौरा कर चुके हैं, जहां उन्होंने आदिवासी अस्मिता और सामाजिक मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।

रणनीति पर पहले से चल रहा था होमवर्कः दरअसल, झामुमो की असम में सक्रियता अचानक नहीं बढ़ी, बल्कि इसकी तैयारी पहले से चल रही थी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंत्री चमरा लिंडा और सांसद विजय हांसदा के नेतृत्व में एक टीम को असम भेजा था, जिसने एक सप्ताह तक जमीनी हालात का अध्ययन किया।

इसके बाद हेमंत सोरेन ने खुद दौरा कर राजनीतिक माहौल का आकलन किया। उनकी सक्रियता से न सिर्फ भाजपा, बल्कि कांग्रेस की भी चिंता बढ़ी। अब पार्टी माइक्रो लेवल पर चुनाव की तैयारी में जुट गई है। जरूरत पड़ने पर स्थानीय दलों के साथ तालमेल कर चुनाव लड़ने की रणनीति पर काम कर रही है।

उम्मीदवारों को मिला तीर-कमान चुनाव चिन्ह

रांची(मेट्रो रेज): झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने आगामी असम विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान किया है। पार्टी ने निर्णय लिया है कि वह राज्य की 19 सीटों पर अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। इस संबंध में पार्टी को चुनाव आयोग द्वारा तीर-कमान चुनाव चिन्ह भी आवंटित कर दिया गया है।

पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडे और मंत्री चमरा लिंडा ने संयुक्त रूप से उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस दौरान उन्होंने सभी प्रत्याशियों को चुनाव में मजबूती से उतरने और संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

नेताओं ने कहा कि झामुमो असम में आदिवासी, मूलवासी और वंचित वर्गों की आवाज को बुलंद करने के उद्देश्य से चुनाव मैदान में उतरी है। पार्टी को उम्मीद है कि जनता का समर्थन मिलेगा और झामुमो राज्य की राजनीति में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराएगी।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, उम्मीदवारों को चिन्ह मिलने के साथ ही चुनाव प्रचार भी तेज कर दिया गया है। सभी प्रत्याशी अपने-अपने क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं और पार्टी की नीतियों एवं कार्यक्रमों को जनता के बीच रख रहे हैं।

आतंकवाद से जुड़े मामले में एनआईए की बड़ी कार्रवाई, कश्मीर में कई जगहों पर छापेमारी

श्रीनगर : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कश्मीर में सोमवार को कई जगहों पर छापेमारी की है। यह कार्रवाई आतंकवाद से जुड़े एक मामले को लेकर की गयी है। जिसमें कुपवाड़ा और कुलगाम में तलाशी अभियान चलाया गया है।

जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ कुलगाम जिले में तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने सोमवार को कश्मीर में आतंकवाद से जुड़े एक मामले के सिलसिले में कई जगहों पर छापेमारी की।

अधिकारियों के अनुसार, ये तलाशी कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा इलाके और कुलगाम जिले में की गई। यह ऑपरेशन संदिग्ध गतिविधियों और नेटवर्क को खंगालने के लिए किया गया है। इस संबंध में और जानकारी का इंतजार है।

ईरान के लिए कश्मीरियों ने खोला खजाना

सोना-चांदी से लेकर लाखों रुपया अपने 'अली' के लिए किया दान

नई दिल्ली: मिडिल ईस्ट में जारी जंग के बीच एक ऐसी तस्वीर सामने आई जिसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। जहां एक तरफ मिसाइलें और हमले हो रहे हैं। तो वहीं दूसरी तरफ भारत से ईरान की मदद की तस्वीरें सामने आई हैं। भारत की ओर से ईरान को इतनी मदद भेजी गई कि अब ईरान थैंक यू इंडिया कह रहा है। दरअसल कश्मीर घाटी के लोग इन दिनों ईरान के समर्थन में खुलकर सामने आ रहे हैं। जहां बटगांव से लेकर बारामुला तक लोग दिल खोलकर ईरान के लिए दान कर रहे हैं। और यह दान सिर्फ पैसे तक नहीं बल्कि सोना, चांदी, गहने, तांबे के बर्तन यहां तक कि बाइक और कार तक लोगों ने दान में दी है।

दरअसल कश्मीर में ईद के बाद करीब 3.4 करोड़ का दान इकट्ठा किया गया है और यह दान ईरान के लिए भेजा जाना है जो वहां पर मानवीय सहायता के लिए भेजा जाएगा। कुछ दिनों पहले ईरानी दूतावास ने दान लेने की घोषणा की थी जिसके बाद यह तस्वीरें अब कश्मीर से सामने आई हैं।

इस अभियान की सबसे भावुक तस्वीर तब सामने आई जब एक छोटी बच्ची अपने हाथ में गुल्लक लिए पहुंची और वह अपना गुल्लक तोड़कर ईरान के लिए पैसे दान करने की बातें कर रही। ईरानी दोतावास ने छोटी बच्ची का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया। इसके साथ ही एक और कहानी है जो सबको भावुक कर देगी। दरअसल एक विधवा महिला ने अपने पति की याद में रखा हुआ सोना भी ईरान में मानवीय सहायता के लिए दान करने का फैसला किया और इस वीडियो को भी रानी दूतावास ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म से साझा किया। यह पूरा दान अभियान मस्जिदों और स्थानीय स्तर पर कश्मीर में चलाया गया। जहां लोग खुद आगे आकर मदद कर रहे हैं। उनका कहना है कि भले ही वह ईरान जाकर मदद नहीं कर सकते लेकिन आर्थिक सहायता देकर वो अपना फर्ज निभा रहे हैं। बता दें कि कश्मीर में बड़ी आबादी में शिया मुसलमान रहते हैं और शिया मुसलमान ईरान के साथ अपना गहरा जुड़ाव मानते हैं। आपको याद ही होगा कि कुछ दिनों पहले जब ईरान के पुराने सुप्रीम लीडर आया अली खामिनई की मौत हुई थी।

न्यूयॉर्क एयरपोर्ट पर ट्रक से टकराया एयर कनाडा एक्सप्रेस का विमान, मचा हड़कंप, कई घायल

न्यूयॉर्क : न्यूयॉर्क के ला गार्डिया एयरपोर्ट पर एक एयर कनाडा एक्सप्रेस विमान और जमीन पर मौजूद एक वाहन से टक्कर हो गई। इस घटना में कई लोग घायल हो गए। फ्लाइट-ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइट रडार24 ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि हवाई अड्डे पर लोगों को निकालने का और बचाव कार्य जारी है। नियामक की ओर से जारी एक नोटिस के अनुसार, यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने हवाई अड्डे पर सभी विमानों के लिए ग्राउंड स्टॉप (उड़ानें रोकने का आदेश) जारी कर दिया है। एफएए के नोटिस से पता चला कि हवाई अड्डे पर रोक का कारण एक आपात स्थिति थी और इस बात की प्रबल संभावना थी कि इसे आगे बढ़ाया जाएगा। हालांकि, इसमें कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई थी। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक चोटों या नुकसान के बारे में कोई विवरण जारी नहीं किया है। इस दुर्घटना के कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, जिनमें हवाई अड्डे पर लोगों को बाहर निकालने और बचाव कार्य चलते हुए दिखाया गया है। एक वीडियो में दिखा कि जैसे ही यात्री विमान से बाहर निकले, विमान का अगला हिस्सा कई डिग्री ऊपर उठ गया।

दर्दनाक हादसा : एम्बुलेंस और ट्रक की टक्कर में सात की मौत, एक घायल

सोनितपुर : असम के सोनितपुर जिले में रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना राष्ट्रीय राजमार्ग 15 पर उस समय हुई, जब एक एम्बुलेंस की ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई।

जानकारी के अनुसार, एम्बुलेंस ट्यूलिप टी गार्डन क्षेत्र से एक मरीज और उसके परिजनों को लेकर तेजपुर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल जा रही थी। इसी दौरान ढेकियाजुली थाना क्षेत्र में यह हादसा हो गया।

सोनितपुर के एसएसपी के मुताबिक, दुर्घटना में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान एक और व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। इस तरह मृतकों की संख्या बढ़कर सात हो गई।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंचीं और तुरंत बचाव अभियान शुरू किया। दुर्घटना के कारण बाधित यातायात को बाद में बहाल कर दिया गया।

वहीं, एक अन्य हादसे में चार युवकों की मौत हो गई। यह घटना बीजाडांडी थाना क्षेत्र के भैंसवाही गांव के पास शनिवार रात करीब 8 बजे हुई। बताया जा रहा है कि चारों युवक मोटरसाइकिल से पौड़ी गांव से भैंसवाही गांव की ओर जा रहे थे। पुल से गुजरते समय सड़क पर गड्ढा होने के कारण बाइक अनियंत्रित होकर नीचे गिर गई। इस हादसे में चारों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में उनकी मौत हो गई।

ट्रंप की एक धमकी से शेयर बाजार में कोहराम निवेशकों के 5 सेकंड में 8 लाख करोड़ हुए स्वाहा

नई दिल्ली: पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ईरान, अमेरिका तथा इजरायल के बीच संभावित लंबी जंग की आशंकाओं ने सोमवार को वैश्विक शेयर बाजारों में भारी गिरावट ला दी। एक दिन पहले संभलने की कोशिश के बाद बाजार फिर दबाव में आ गए और भारत समेत दुनिया भर के इक्विटी मार्केट्स में तेज बिकवाली देखने को मिली।

विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। इसका असर यह रहा कि घरेलू शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक में बड़ी गिरावट दर्ज की गई, वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बिकवाली का दबाव साफ नजर आया।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स 1387.55 अंकों (1.86%) की गिरावट के साथ 73,145.41 पर और निफ्टी 423.35 अंकों (1.83%) की गिरावट के साथ 22,691.15 पर कारोबार करता दिखा। शुरूआती सत्र में सेंसेक्स 72,977.34 और निफ्टी 22,634.55 तक फिसल गए थे।

निवेशकों की दौलत में भारी गिरावटः बाजार में इस तेज गिरावट के चलते इरए पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल मार्केट कैप करीब 8.15 लाख करोड़ घट गया। 20 मार्च को जहां कुल मार्केट कैप 4.29 लाख करोड़ था, वहीं 23 मार्च को बाजार खुलते ही यह घटकर 4.20 लाख करोड़ रह गया।

क्यों मची है बाजार में तबाही? : इस गिरावट के पीछे सबसे बड़ी वजह मिडिल ईस्ट का तनाव और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का 48 घंटे का अल्टीमेटम है। ट्रम्प ने ईरान को स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज खोलने की चेतावनी दी है, वरना उसके ऊर्जा ठिकानों को तबाह करने की धमकी दी है। इस खबर ने ग्लोबल सप्लाई चेन को लेकर डर पैदा कर दिया है, जिससे कच्चा तेल $100 के करीब और ब्रेंट क्रूड $112.17 के पार पहुंच गया है।

एफआईआई की आक्रामक बिकवालीः विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने भी बाजार पर दबाव बढ़ाया है। पिछले 16 कारोबारी दिनों में उन्होंने करीब 1 लाख करोड़ की शुद्ध बिकवाली की है, जो बाजार की कमजोरी का बड़ा कारण बनी।

सेंसेक्स के सभी शेयर लाल निशान में: सेंसेक्स के सभी 30 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई।

विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक पश्चिम एशिया का तनाव कम नहीं होता और कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता नहीं आती, तब तक बाजार में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है।

हजारीबाग पुलिस की बड़ी कामयाबी

टीएसपीसी के 8 उग्रवादी हथियार समेत गिरफ्तार

हजारीबागः जिले के उरीमारी ओपी क्षेत्र में पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन टीएसपीसी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए आठ अपराधियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 21 मार्च को मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जिसमें जानकारी थी कि कोलियरी क्षेत्र में संगठन के सदस्य किसी बड़ी आपराधिक घटना की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत विशेष छापामारी दल का गठन किया और कार्रवाई शुरू की।

छापेमारी और वाहन चढ़ाई के दौरान गिरफ्तारीः छापेमारी के दौरान ग्राम आसवा और गुडकुवा के पास पुलिस ने एक संदिग्ध बोलेरो वाहन को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर वाहन चालक भागने लगा, लेकिन पीछा करने पर वाहन असंतुलित होकर पुल और पेड़ से टकरा गया। इसके बाद भागने की कोशिश कर रहे सभी आरोपियों को घेराबंदी कर पकड़ लिया गया।

तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से दो इंसास राइफल सहित भारी मात्रा में जिंदा गोलियां, एक देशी पिस्टल, मोबाइल फोन और वाहन बरामद किया गया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि ये सभी आरोपी टीएसपीसी के जोनल कमांडर भीखन गंझू और सब-जोनल कमांडर दिनेश जी उर्फ रवि राम के संपर्क में रहकर विभिन्न जिलों में संगठन का संचालन कर रहे थे। ये लोग लेवी वसूली, धमकी और क्षेत्र में दहशत फैलाने का काम करते थे।

पूर्व की आपराधिक घटनाओं में संलिप्तताः प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया कि इनकी संलिप्तता 12 फरवरी 2026 को रामगढ़ जिले के पतरातु क्षेत्र में हुई फायरिंग की घटना में भी रही है। पुलिस की सतर्कता और सूझबूझ से एक बड़ी आपराधिक घटना को होने से पहले ही टाल दिया गया। गिरफ्तार सभी आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि जांच जारी है और संगठन के अन्य सक्रिय सदस्यों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के लिए छापामारी जारी रखी जाएगी।

झारखंड का बदलता मौसम लोगों को कर रहा बीमार

26 मार्च से फिर बारिश और वज्रपात

◂ 5 दिन में 7 डिग्री गिरा पारा ◂ 4 दिन में 6 डिग्री बढ़ेगा अधिकतम तापमान

संवाददाता

रांचीः मार्च की शुरूआत में जहां गर्मी ने अपना तेवर दिखाना शुरू कर दिया था, वहीं अब मौसम ने अचानक करवट ले लिया है। पिछले पांच दिनों से लगातार हो रही बारिश, आंधी और ओलावृष्टि के कारण तापमान में तेज गिरावट दर्ज की गई है। दिन का अधिकतम तापमान सामान्य से करीब 7 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया है।

जमशेदपुर और बोकारो में भी तापमान सामान्य से 6 डिग्री से अधिक नीचे दर्ज हुआ है।

जबकि रात का तापमान भी सामान्य से 5 डिग्री कम हो गया है। राजधानी रांची (हिनू) में अधिकतम तापमान 25.7 डिग्री और न्यूनतम 13.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। जमशेदपुर और बोकारो में भी तापमान सामान्य से 6 डिग्री से अधिक नीचे दर्ज हुआ है।

साइक्लोनिक सकुर्लेशन और पश्चिमी विक्षोभ का असरः मौसम में आए इस अचानक बदलाव के पीछे पूर्वी बांग्लादेश में बना साइक्लोनिक सकुर्लेशन और सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ को प्रमुख कारण माना जा रहा है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले सात वर्षों में पहली बार मार्च में इस तरह की ठंडक और लगातार बारिश देखने को मिली है। राज्य के अधिकांश हिस्सों में बादल छाए रहने और बीच-बीच में बारिश होने से वातावरण में ठंडक बनी हुई है।

राज्य के अधिकांश हिस्सों में बादल छाए रहने और बीच-बीच में बारिश होने से वातावरण में ठंडक बनी हुई है।

राज्य के अधिकांश हिस्सों में बादल छाए रहने और बीच-बीच में बारिश होने से वातावरण में ठंडक बनी हुई है।

चार दिन बढ़ेगी गर्मी, फिर बदलेगा मौसमः रांची मौसम केंद्र के अनुसार, आने वाले चार दिनों में अधिकतम तापमान में 5 से 6 डिग्री तक की बढ़ोतरी हो सकती है। 23 मार्च को सुबह हल्का से मध्यम कोहरा रहेगा, इसके बाद मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। 24 मार्च को आसमान साफ रहेगा, जबकि 25 और 26 मार्च को आंशिक बादल छाए रहेंगे। इस दौरान दिन का तापमान क्रमशः 30, 32 और 34 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

27-28 मार्च को तेज हवा-वज्रपात का यलो अलर्टः मौसम विभाग ने 27 और 28 मार्च के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। इन दिनों राज्य के कई हिस्सों में मेघ गर्जन के साथ बारिश होने की संभावना है। खासकर पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला-खरसावां जिलों में 26 मार्च से ही हल्की से मध्यम बारिश शुरू हो सकती है।

मौसम विभाग ने 27 और 28 मार्च के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 30 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और वज्रपात की भी चेतावनी दी गई है। राजधानी रांची समेत आसपास के क्षेत्रों में भी 27-28 मार्च को बादल छाए रहने और बारिश के आसार हैं।

सत्संग के समापन अवसर पर रक्तदान शिविर

रक्तदान है जीवनदानः देवेंद्र नाथ महतो

56 यूनिट हुआ रक्त संग्रह

संवाददाता

सोनाहातू : पूज्य गुरुदेव राष्ट्रीय संत असंग देव के सत्संग के समापन अवसर पर सोनाहातु के बाजारटांड़ में जेएलकेएम केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वयं रक्तदान करते हुए देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि रक्तदान एक महादान है, जो किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है। समाज में रक्तदान के प्रति सही जानकारी और जागरूकता होना अत्यंत आवश्यक है। 18 - 60 वर्ष के हर स्वास्थ्य व्यक्ति को रेगुलर रक्तदान करना चाहिए, रेगुलर रक्तदान सेवा दूसरों के जीवन बचाने के अलावा अपना शरीर को स्वास्थ्य रखने का कार्य भी है । शिविर में उपस्थित लैब टेक्निशियन रवि महतो ने जानकारी देते हुए बताया कि कुल 56 यूनिट रक्त संग्रह किया गया, जो सदर अस्पताल, रांची के ब्लड सेंटर को सोंपा गया। जहां से जरूरतमंदों को उनके रक्त ग्रुप के अनुसार रक्त प्रदान किया जाएगा। रक्तदान शिविर में धनेश कुशवाहा 42 वां बार, सुरेंद्र महतो 22 वां बार , रूपेश कुशवाहा 15 वां बार , हरेश महतो 25 वां बार रक्तदान किया इसके अलावा अजित महतो, सुभाष महतो, राजीव महतो, गणेश महतो, पंकज महतो, जय महतो, रवीन्द्र महतो, बुद्धेश्वर महतो, योगेश दास, दिनेश ठाकुर, प्रकाश, बासुदेव, रामपद, रोहित, जितेंद्र के अलावा अन महतो

रक्तदान शिविर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो के रक्तदान शिविर में धनेश कुशवाहा 42वीं बार, सुरेंद्र महतो 22वीं बार, रूपेश कुशवाहा 15वीं बार, हरेश महतो 25वीं बार रक्तदान किया । इसके अलावा अजित महतो, सुभाष महतो, राजीव महतो, गणेश महतो, पंकज महतो, जय महतो, रवीन्द्र महतो, बुद्धेश्वर महतो,योगेश दास, दिनेश ठाकुर, प्रकाश,बासुदेव,रामपद, रोहित, जितेंद्र के अलावा अन्य 56 लोगों ने रक्तदान किया।

ट्रक चालक के साथ युवकों ने की मारपीट,छानबीन में जुटी पुलिस

चतराः जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के बोडा मोड़ के समीप चतरा - डोभी मुख्य पथ पर कार में ट्रक सटने के बाद विवाद तुल पकड़ लिया। ट्रक चालक से मारपीट कर 20 हजार रुपए नकदी लूटने का आरोप लगा है। ट्रक चालक ने इसको लेकर हंटरगंज थाना पुलिस को लिखित शिकायत की है। चालक ने लूटपाट में प्रयोग कार कि फोटो भी पुलिस को प्रस्तुत किया है।पुलिस को दी शिकायत में चालक गयाजी जिले के बाके बाजार क्षेत्र के कुंभी गांव निवासी रमेश यादव ने कहा कि शनिवार - रविवार की देर रात करीब 1 बजे मैं मगध कोलवयरी से कोयला लेकर हंटरगंज की तरफ जा रहे थे। तभी बोडामोड़ के समीप पहुंचे तो पीछे से स्विफ्ट कार में सवार होकर आए तीन युवकों ने ट्रक को रुकवा लिया। युवकों ने ट्रक पर चढ़ कर मारपीट करनी शुरू कर दी। उन्होंने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने मेरे गाड़ी से 20000 रुपया भी लूट लिया। जब मेरे सिर से खून की धार बहने लगे आरोपी मुझे छोड़कर भागने लगे इस दौरान मैं आरोपियों की गाड़ी की फोटो खींच ली। रमेश ने आरोपितों की कार का नंबर भी पुलिस को बताया है। प्रत्यक्षदशीयों के अनुसार कार में ट्रक सट गया था, जिसको लेकर विवाद उत्पन्न हुआ वही दूसरे ट्रक चालक ने गाली गलौज करनी शुरू कर दी जिसके बाद दो पक्षों के बीच मारपीट की घटना घटी। हालांकि इस मामले में हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि मामला कार और ट्रक सटने के बाद विवाद हुआ है जांच की जा रही है ।

टंडवा एनटीपीसी में तैनात सुरक्षा गार्ड की सड़क पर गिरने से मौत

चतराः जिले के टंडवा एनटीपीसी साइट पर सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहे एक पूर्व सैन्यकर्मी की सड़क पर अचानक गिर जाने से मौत हो गई। मृतक उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के रहने वाले थे। इस दुखद घटना के बाद पुलिस ने परिजनों को सूचित कर दिया है।घटना टंडवा भामाशाह चौक के समीप की है। डीजीआर कंपनी के सुरक्षा गार्ड लाल बहादुर, जो पूर्व में भारतीय सेना में अपनी सेवाएं दे चुके थे, शुक्रवार को अपने कमरे से बाजार दवा लेने निकले थे। इसी दौरान वे अचानक सड़क पर गिर पड़े और उनके सिर में गंभीर चोट आई। आनन-फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। टंडवा थाना के एएसआई राहुल दुबे ने बताया कि मृतक वर्तमान में एनटीपीसी के गेट नंबर दो पर तैनात थे। फिलहाल शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रखा गया है और देवरिया से परिजनों के आने का इंतजार किया जा रहा है।

झारखण्ड फोटोग्राफी इमेजिंग एक्सपो का पोस्टर लॉन्च

चतराः शहर के गर्ल्स हाई स्कूल के समीप किरण स्टूडियो में झारखण्ड के खेलगांव में आयोजित होने वाले फोटोग्राफी एक्सपो का रविवार को चतरा जिला फोटोग्राफी एसोसिएशन द्वारा पोस्टर लांच किया गया। आगामी 10,11 एवं 12 अप्रैल 2026 को खेलगांव में आयोजित होनें वाले छठे झारखंड इमेजिंग एक्सपो के उपलक्ष्य पर झारखण्ड के अलावा अन्य कई राज्यों से छायाकार एवं फोटो आर्ट से जुड़े व्यवसायी इस वृहद आयोजन में भाग लेंगे।

इस तीन दिवसीय एक्सपो के दौरान फोटोग्राफर्स को फोटोग्राफी की बारिकियों,सेटिंग्स की बेहतर प्रशिक्षण के साथ विभिन्न कंपनियों के कैमरा सेल एवं सर्विस की सेवा व्यवस्था एक मंच पर प्राप्त हो सकेगा।

पोस्टर लांचिंग के मौके पर जिला फोटोग्राफी एशोसियेशन के अध्यक्ष मुकेश , सह सचिव निलेश , पूर्व अध्यक्ष कृष्ण, नगर अध्यक्ष प्रेम , नगर उपाध्यक्ष भैरव ,वरिष्ठ फोटोग्राफर गौरी शंकर प्रसाद,शैलेश , महेंद्र , उपेंद्र , नगर कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र , पूर्व सचिव राकेश जी समेत अन्य फोटोग्राफर्स उपस्थित हुए।

हंटरगंज में विराट हिन्दू सम्मेलन संपन्न

एकजुटता हिंदू समाज की असली ताकत बंटेंगे तो कटेंगेः प्रज्ञा महाला दीदी

फोन पर हेलो के जगह बोले जय श्री रामः: स्वामी दिव्यानंद जी महाराज

संवाददाता

चतराः हंटरगंज प्रखंड मुख्यालय के हाई स्कूल मैदान परिसर में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में बड़ी संख्या में समाज के विभिन्न वर्गों के लोग जुटे। सम्मेलन में सर्वप्रथम अतिथियों को चुनरी भेंट कर स्वागत किया गया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रज्ञा महाला दीदी ने कहा कि भारत की आत्मा उसके संस्कारों में बसती है और जब समाज अपने मूल्यों से जुड़ता है, तभी राष्ट्र सशक्त होता है। एकजुटता ही हिंदू समाज की असली ताकत है। अगर हम बटेंगे तो कटेंगे। मुख्य वक्ता स्वामी दिव्यानंद जी महाराज ने कहा कि सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे संतु निरामया, धर्म की जय हो, अधर्म की नाश हो, विश्व का कल्याण हो, जैसे नारों से हिंदू एकजुटता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अपने संतान को किया बनाना चाहते हैं यह आप पर निर्भर करता है। रील बनाकर नाचने के बजाय करियर पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने आगे हिंदुओं से अपील की कि वे फोन पे हेलो जगह जय श्री राम बोले। क्योंकि फोन के आविष्कार बेल ग्राहम की गर्लफ्रेड के नाम के चलते हैलो शब्द बोला जाता था।विशिष्ट अतिथि रौशन कुमार राष्ट्रीय मंत्री हिमालय परिवार ने कहा कि एकजुटता किसी भी समाज की असली ताकत होती है। सनातनियों को जाति-धर्म और छोटे-बड़े का भेद भूलकर एक होना होगा तभी देश और समाज सशक्त होगा। इस दौरान कई वक्ताओं ने भी सनातन के एकजुटता का संदेश दिया। इस दौरान नन्हें-मुन्ने बच्चों ने शानदार देशभक्ति के कार्यक्रम प्रस्तुत किए। अंतिम में कार्यक्रम संयोजक लोजपा नेता प्रेम सिंह ने सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापन किए। कार्यक्रम के आयोजन में अरुण कुमार क्षेत्र प्रचारक प्रमुख झारखंड- बिहार, आशुतोष कुमार विभाग प्रचारक हजारीबाग, जिला प्रचारक संतोष कुमार,अमित पासवान, भवानी सिंह, बिट्टू सिंह, दिलीप विश्वकर्मा, अभय सिंह, पंकज सिंह, राहुल ठाकुर, समेत तमाम लोगों का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन राहुल ठाकुर ने किया।

ईद मनाने आए युवक की 'ड्रग्स और जहर' से संदिग्ध मौत, पांच हिरासत में,17

चतराः जिले से एक ऐसी रूह कंपा देने वाली खबर सामने आ रही है, जिसने न केवल एक परिवार की खुशियां छीन लीं, बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र पर सवालिया निशान लगा दिया है। वशिष्ठ नगर जोरी थाना क्षेत्र के कलाल टोली में एक युवक मो. तनवीर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों का सीधा और रोंगटे खड़े कर देने वाला आरोप है कि उनके बेटे को ड्रग्स में जहर मिलाकर मौत के घाट उतारा गया है। एक साल पहले सजे सेहरा और महज एक महीने के मासूम बच्चे की किलकारियों के बीच इस मौत ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। मृतक मो. तनवीर सिलीगुड़ी में काम करता था और अपने परिवार के साथ ईद मनाने के लिए घर आया था। उसे क्या पता था कि घर की दहलीज पर मौत उसका इंतजार कर रही है। मृतक के पिता शाहिद मियां का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने कलेजा चीर देने वाले शब्दों में बताया कि उनका बेटा ही घर का एकमात्र सहारा था। पिता का आरोप है कि कुछ युवकों ने तनवीर को नशीले पदार्थ में जहर मिलाकर पिला दिया। भाई सैफ अली के अनुसार, जब कुछ लोग तनवीर को घर छोड़कर भागे, तो उसके मुंह से सफेद झाग निकल रहा था।

जल अर्पण दिवस मनाया गया

सोनाहातू : विश्व जल दिवस क अवसर पर प्रखंड के हेसाडीह पंचायत में जल अर्पण दिवस मनाया गया। सरकार के पेयजल स्वच्छता विभाग के अधिकारी ने लोगों को जल संरक्षण और जल के महत्व को विस्तार से बताया। जल स्त्रोतों की सफाई, पौधरोपण तथा जल बचाने के संकल्प दिलाए गए। अधिकारियों ने कहा कि जल ही जीवन का आधार है और इसके संरक्षण के बिना भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता। उन्होंने लोगों से अपील की कि वर्षा जल संचयन को अपनाएं और पानी का दुरुपयोग न करें। विद्यालयों के बच्चों को जल संरक्षण से जुड़ी जानकारी दी गई और उन्हें छोटे-छोटे उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।इस दौरान उपस्थित लोगों ने जल संरक्षण का संकल्प लिया और इसे जन आंदोलन बनाने की बात कही।मौके पर कार्यपालक अभियंता राजेश रंजन,बीडीओ मनोज महथा, सहायक अभियंता तेलोस्फर मिंज, कनीय अभियंता अनिल लिंडा,जिला कोऑर्डिनेटर संजय कुमार, प्रेमानंद दास,उपमुखिया,जल सहिया ,प्रखंड कोऑर्डिनेटर,ग्रामीण ओर स्कूली बच्चे मौजूद थे।

सिमरिया में रामोत्सव कार्यक्रम संपन्न राम के आदर्शों को अपनाने का आह्वान

चतराः जिले के सिमरिया प्रखंड में विश्व हिंदू परिषद के तत्वावधान में रामोत्सव कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोगों की सहभागिता रही। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विभाग मिलन केंद्र प्रमुख प्रशांत सिंह, जिला उपाध्यक्ष तारकेश्वर गुप्ता, जिला मंत्री सुधीर कुमार एवं जिला समरसता प्रमुख गुरुदेव कुमार उपस्थित रहे।इस अवसर पर विभाग मिलन केंद्र प्रमुख प्रशांत सिंह एवं जिला मंत्री सुधीर कुमार ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।अपने संबोधन में विभाग मिलन केंद्र प्रमुख प्रशांत सिंह ने भगवान श्रीराम के जीवन एवं उनके आदर्शों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि ह्ररामो विग्रहवान धर्मःह्व अर्थात भगवान राम धर्म के साकार स्वरूप हैं। उन्होंने कहा कि भगवान राम का जीवन स्वयं में एक आदर्श काव्य है, जो संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने राम के चरित्र की विभिन्न विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि वे आदर्श राजा, आदर्श पुत्र, आदर्श भाई एवं आदर्श मित्र के रूप में समाज के सामने एक श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने अपने जीवन के माध्यम से समाज में समता और समरसता का संदेश दिया। शबरी के जूठे बेर स्वीकार करना, निषादराज को गले लगाना तथा वनवासियों के बीच रहकर उनके दुख-दर्द को समझना, यह दशार्ता है कि राम समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर चलने वाले आदर्श पुरुष थे। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे भगवान राम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारते हुए समाज में एकता एवं संगठन को मजबूत करें।वहीं जिला मंत्री सुधीर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान राम का जीवन आज भी समाज को सही दिशा देने वाला है। उन्होंने कहा कि रामराज्य की अवधारणा आज भी आदर्श शासन के रूप में मानी जाती है, जहां सभी लोग सुखी, सुरक्षित एवं भयमुक्त जीवन व्यतीत करते हैं।उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज में अनेक प्रकार की चुनौतियां उत्पन्न हो रही हैं, ऐसे में भगवान राम के आदर्शों को अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से समाज में जागरूकता फैलाने, समरसता को बढ़ावा देने तथा संगठन को सशक्त बनाने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल एवं दुर्गा वाहिनी की बहनों की भी सक्रिय भागीदारी रही।कार्यक्रम में हजारीबाग जिला संयोजक जय सोनी, टंडवा प्रखंड अध्यक्ष सोनू भुइयां, प्रखंड मंत्री राजू चौरसिया,पंचायत अध्यक्ष सुरज कुमार कुशवाहा, सुनील कुमार, मंटू कुमार, जितेंद्र कुमार संकर कुमार राम, रिशु कुमार, नीतीश कुमार, विकाश कुमार, बबलू ठाकुर, राहुल कुमार,दुर्गा वाहिनी से खुशबू कुमारी, आकृति कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, रिया कुमारी, अंशु कुमारी, ज्योति कुमारी सहित कई कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय सुखद सत्संग कार्यक्रम का अंतिम दिन

नित्य ध्यान, ज्ञान व दान जीवन में संतोष भर देता है : संत असंग देव

संवाददाता

सोनाहातू : प्रखंड दानाडीह क्रिकेट मैदान में आयोजित तीन दिवसीय सुखद सत्संग कार्यक्रम के अंतिम दिन राष्ट्रीय संत असंग देव जी ने कहा कि मनुष्य का जीवन तभी सार्थक बनता है जब वह प्रतिदिन कुछ अच्छा सीखता है। नित्य ज्ञान, नित्य दान और नित्य ध्यान से जीवन में संतोष भर जाता है।

नित्य ज्ञान का अर्थ है हर दिन कुछ नया सीखना। ज्ञान केवल किताबों तक सीमित नहीं होता, बल्कि जीवन के अनुभव, बड़ों की बातें और प्रकृति भी हमें बहुत कुछ सिखाती है। जब हम रोज थोड़ा-थोड़ा ज्ञान अर्जित करते हैं, तो हमारा विवेक जागृत होता है और हम सही-गलत का भेद समझ पाते हैं।

नित्य दान का मतलब सिर्फ धन देना नहीं है। दान में मुस्कान, प्रेम, समय और सहायता भी शामिल है। अगर हम रोज किसी की मदद करें, किसी दुखी को सहारा दें, तो यही सच्चा दान है।

नित्य ध्यान आत्मा की शुद्धि का मार्ग है। जब हम रोज कुछ समय शांत बैठकर अपने मन को एकाग्र करते हैं, तो तनाव दूर होता है और भीतर शांति का अनुभव होता है।यदि हम इन तीनों को अपने जीवन में उतार लें—ज्ञान से बुद्धि, दान से हृदय और ध्यान से आत्मा को समृद्ध करें—तो हमारा जीवन सुख, शांति और संतोष से भर जाएगा। उन्होंने शिक्षा और मित्र का महत्व को बताते हुए कहा कि मनुष्य के जीवन में दो चीजें बहुत महत्वपूर्ण होती हैं—शिक्षा और मित्र। ये दोनों ही हमारे जीवन की दिशा और दशा तय करते हैं।

शिक्षा वह प्रकाश है जो अज्ञान के अंधकार को दूर करता है। शिक्षा हमें सिर्फ पढ़ना-लिखना ही नहीं सिखाती, बल्कि जीवन जीने की सही राह भी दिखाती है।वहीं मित्र हमारे जीवन का सहारा होते हैं। सच्चा मित्र वही होता है जो हमें सही मार्ग दिखाए, गलत कामों से रोके और हर परिस्थिति में हमारा साथ दे। अच्छे मित्र जीवन को सरल और खुशहाल बनाते हैं, जबकि बुरे मित्र हमें गलत रास्ते पर ले जा सकते हैं।

इसलिए हमें हमेशा अच्छी शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए और अच्छे मित्रों का चयन करना चाहिए। क्योंकि शिक्षा हमें ऊँचाई देती है और सच्चे मित्र हमें गिरने से बचाते हैं।

अंतिम दिन मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो,समाजसेवी भीम मंडल, जेएलकएम नेता देवेंद्रनाथ महतो, सांसद प्रतिनिधि दिलेश्वर कोईरी, सत्यनारायण सिंह मुंडा, संजय महतो,संजय मेहता, राजकिशोर कुशवाहा आदि मौजूद थे। सुखद सत्संग कार्यक्रम के आयोजन में धनंजय महतो, परेश नाथ महतो, पूरन महली, राधा मोहन सिंह मुंडा ,अजीत महतो, खगेश कुमार महतो, मुकेश महतो, अशोक भगत,संजय कार्जी ,विपिन सिंह, परीक्षित महतो हरीश कुमार महतो, परीक्षित महतो, नरोत्तम महतो, शिवेश्वर महतो, लंका दास,संतोष जयसवाल,आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

चैती छठ : खरना आज, संध्या अर्घ्य कल

संवाददाता

रांची: लोक आस्था का महापर्व चैती छठ सूर्य देव और छठी मैया को समर्पित है। यह 4 दिनों तक चलेगा। पंडित रामदेव पाडेंय ने बताया कि यह पर्व चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से शुरू होकर सप्तमी तिथि तक चलता है। उत्तर भारत के बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में इस पर्व को बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। मान्यता है कि भगवान सूर्य को सच्ची भक्ति के साथ अर्घ्य देने और विधिवत पूजा करने से सभी इच्छाओं की पूर्ति होती है। उन्होंने बताया कि छठ पर्व में नहाय खाय, खरना और अर्घ्य प्रमुख दिन होता है।

नहाय खाय: चैती छठ पूजा का पहला दिन 22 मार्च को नहाय-खाय मनाया गया। रविवार को व्रती शुद्ध भोजन ग्रहण करते हैं। मान्यता है कि इस दिन व्रती अपने शरीर और मन को शुद्ध करते हैं, ताकि वे अगले तीन दिनों के कठिन व्रत को विधिपूर्वक कर सकें। वहीं रविवार को नहाय-खाय के दिन शहर में कद्दू की सब्जी, चने की दाल और चावल विशेष रूप से बनाया गया और इस प्रसाद को व्रतियों ने पहले ग्रहण किया व इसके बाद अपने परिवार के लोगों के बीच वितरण किया गया।

आज खरना: चैती छठ पूजा का दूसरा दिन 23 मार्च को खरना के रूप में मनाया जाएगा। इस दिन व्रती पूरे दिन निर्जला उपवास रखते हैं और शाम को सूर्य देव की पूजा के बाद गुड़ से बनी खीर, रोटी और फल का सेवन करते हैं। खरना का प्रसाद ग्रहण करने के बाद व्रतियों का 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत शुरू हो जाएगा। छठ पूजा को लेकर शहर के गली-मोहल्लो में छठी मैया की भक्ति गीत बजने लगी है। लोग छठ की खरीददारी करने के लिए जुटे हुए है। वहीं चैती छठ पूजा को लेकर शहर के छठ घाट अबतक अधूरे है। छठ घाटों में नगर निगम व जिला प्रशासन की ओर से कोई तैयारी नहीं की गई है। शहर के तालाबों में गंदगी का अंबार लगा हुआ है।

संध्या अर्घ्य कल: चैती छठ पूजा का तीसरा दिन 24 मार्च को सबसे महत्वपूर्ण संध्या अर्घ्य होता है। इस दिन व्रती शाम के समय किसी पवित्र नदी, तालाब के किनारे सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करती हैं। अर्घ्य में फल, फूल, ठेकुआ समेत कई परंपरिक सामग्रियां शामिल होता है। इस दिन 6:40 में सूर्यास्त होगा।

सुबह का अर्घ्य: चैती छठ पूजा का अंतिम दिन 25 मार्च को सुबह के अर्घ्य के साथ संपन्न हो जाएगा। इस दिन व्रती उगते हुए सूर्य देव को अर्घ्य देती हैं। अर्घ्य देने के बाद व्रती प्रसाद बांटते हैं और फिर अपने व्रत का पारण करती हैं। इस दिन सूर्योदय सुबह 5:48 में होगा। इसी के साथ चार दिनों तक चलने वाला आस्था का महापर्व छठ की समाप्ति होती हैं।

हटिया तालाब में छठ पूजा की भव्य तैयारी, समिति ने की अहम बैठक

हटिया (रांची): आगामी छठ महापर्व को लेकर हटिया तालाब परिसर में तैयारियां तेज हो गई हैं। इस संबंध में भारतीय यूथ संगठन महा छठ पूजा समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें समिति के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में छठ पर्व को सुव्यवस्थित और भव्य रूप से आयोजित करने पर विस्तार से चर्चा की गई।

घाटों की सफाई और सुविधाओं पर जोर: बैठक में निर्णय लिया गया कि श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए घाटों की मरम्मत, विशेष साफ-सफाई और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराया जाएगा। साथ ही व्रतियों के लिए चेंजिंग रूम, शुद्ध पेयजल और रात के समय पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की जाएगी।

भीड़ नियंत्रण के लिए स्वयंसेवकों की तैनाती: छठ पूजा के दौरान भारी भीड़ को देखते हुए समिति के सदस्यों और स्वयंसेवकों की टीम तैनात की जाएगी, जो श्रद्धालुओं को सहायता प्रदान करेगी और व्यवस्था बनाए रखेगी।

प्रशासन से सहयोग की अपील: समिति ने स्थानीय प्रशासन, नगर निगम और पुलिस प्रशासन से सहयोग की अपील की है। विशेष रूप से सुरक्षा व्यवस्था, ट्रैफिक नियंत्रण, साफ-सफाई और चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है। इसके अलावा पूजा के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की भी मांग की गई है।

समिति का बयान: समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि छठ पर्व अत्यंत पवित्र और आस्था का महापर्व है। हमारी पूरी कोशिश है कि प्रशासन के सहयोग से सभी व्यवस्थाएं बेहतर ढंग से की जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बैठक में कई प्रमुख सदस्य और पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने आयोजन को सफल बनाने के लिए अपने सुझाव दिए।

पेट्रोल पंप पर हथियार के बल पर डकैती, महिला कर्मी से लूटा 59 हजार

पुंदाग ओपी क्षेत्र के साहु चौक स्थित दीना पेट्रोल पंप की घटना

रांची: राजधानी के पुंदाग ओपी क्षेत्र के साहु चौक स्थित दीना पेट्रोल पंप में रविवार की रात करीब 7.45 बजे 6 डकैतों ने हथियार के बल पर डकैती की घटना को अंजाम दिया। दो स्कूटी पर सवार डकैत पेट्रोल लेने के बहाने पहुंचे और अलग-अलग दो महिला नोजलकर्मियों के पास गाड़ी रोक दी। शुरूआत में नोजलकर्मियों को लगा कि वे पेट्रोल लेने आए हैं, लेकिन अचानक डकैतों ने पिस्टल और चाकू निकाल कर सभी को डराना शुरू कर दिया। हथियार देखकर महिला नोजलकर्मी सहम गईं। इसके बाद डकैतों ने सेल से मिले पैसों से भरा बैग छीन लिया और मौके से फरार हो गए। पेट्रोल पंप पर मौजूद लोग जब तक कुछ समझ पाते, सभी 6 डकैत हथियार लहराते हुए नयासराय की ओर भाग निकले।

घटना की सूचना मिलते ही पुंदाग पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। कर्मियों के अनुसार डकैत 59 हजार रुपये कैश लेकर फरार हुए हैं। पुलिस टेक्निकल टीम की मदद से आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है।

टेप से ढंका था स्कूटी का नंबर: जांच में सामने आया कि दोनों स्कूटी के नंबर प्लेट को टेप से ढंक दिया गया था। यदि चेकिंग के दौरान ऐसे वाहनों पर ध्यान दिया जाता, तो डकैतों को पहले ही पकड़ा जा सकता था। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

भगवान महावीर जयंती 30 मार्च को सुबह अभिषेक और भव्य शोभायात्रा

संवाददाता

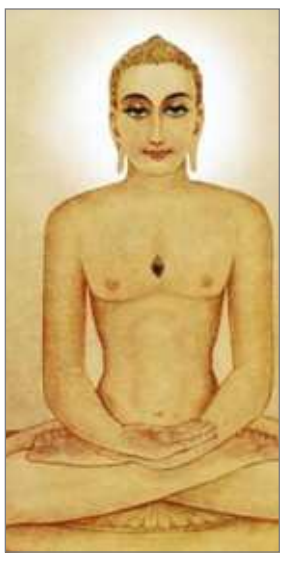

रांची: जैन धर्मावलंबियों का पावन पर्व भगवान महावीर जयंती इस वर्ष 30 मार्च को मनाई जाएगी। भगवान महावीर, जो जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर और वर्तमान शासन नायक माने जाते हैं, उनके जन्मोत्सव को लेकर देशभर में तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इस दिन विशेष धार्मिक अनुष्ठान और शोभायात्राओं का आयोजन किया जाएगा।

इस वर्ष चैत्र शुक्ल त्रयोदशी तिथि 30 मार्च को पड़ रही है। हालांकि कुछ कैलेंडरों में 31 मार्च का भी उल्लेख है, लेकिन जैन विद्वानों के अनुसार 30 मार्च को ही महावीर जयंती मनाना शास्त्रसम्मत और उचित है। इसलिए अधिकांश श्रद्धालु इसी दिन पर्व मनाएंगे।

महावीर जयंती के अवसर पर झारखंड की राजधानी रांची में विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है। प्रातः 5:30 बजे भगवान महावीर का अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद सुबह 7:30 बजे दिगंबर जैन मंदिर, अपर बाजार से भव्य शोभायात्रा निकलेगी। यह यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए रातू रोड स्थित वासुपूज्य जिनालय पहुंचेगी, जहां शांतिधारा अभिषेक का आयोजन होगा। इसके बाद शोभायात्रा पुनः मंदिर परिसर में लौटेगी।

दोपहर 2:30 बजे से मुनिश्री प्रमाण सागर जी महाराज का प्रवचन और शंका समाधान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही समाज की महिलाओं द्वारा दीक्षा दिवस के उपलक्ष्य में विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। शाम 6:00 बजे आरती और गुरु भक्ति के बाद भजन संध्या का आयोजन होगा, जिसमें श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

इसी दिन मुनिश्री प्रमाण सागर जी महाराज का 39वां दीक्षा दिवस भी मनाया जाएगा, जिससे इस आयोजन का महत्व और बढ़ जाता है। वे संत शिरोमणि आचार्य 108 श्री विद्यासागर जी महाराज के प्रभावशाली शिष्य हैं और जैन समाज में उनका विशेष स्थान है।

मुनिश्री प्रमाण सागर जी महाराज छत्तीसगढ़ होते हुए झारखंड की ओर विहार कर रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा उन्हें राजकीय अतिथि का दर्जा दिया गया है। 22 मार्च को गुमला से राज्य में प्रवेश के बाद 27 मार्च को रांची पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उनके साथ विहार करेंगे।

सदर अस्पताल में बनेगा 200 बेड का सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल

कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, ऑन्कोलॉजी और ऑर्थोपेडिक्स में उच्चस्तरीय उपचार की होगी सुविधा

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची के सदर अस्पताल परिसर में बननेवाले 200 बेड के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के लिए 190 करोड़ का भवन बनेगा। झारखंड भवन निर्माण निगम ने भवन निर्माण के लिए 190 करोड़ रुपए की डीपीआर तैयार की है।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के लिए तैयार इस प्रस्ताव पर अपनी स्वीकृति दे दी है। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। तैयार प्रस्ताव पर स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि बढ़ते मरीजों के दबाव और उन्नत चिकित्सा सुविधाओं की सीमित उपलब्धता को देखते हुए इस नए अस्पताल का निर्माण कराया जा रहा है।

प्रस्तावित सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के निर्माण से मौजूदा स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ रहे दबाव में कमी आएगी। साथ ही कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, ऑन्कोलॉजी व ऑर्थोपेडिक्स जैसे क्षेत्रों में उच्च स्तरीय इलाज की सुविधा भी उपलब्ध हो सकेगी। वर्तमान में इन विशेष सेवाओं के लिए मरीजों को बड़े शहरों का रुख करना पड़ता है। इससे समय और पैसा दोनों तरह का बोझ बढ़ता है। इस नई सुविधा के शुरू होने से मरीजों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए रिम्स, रांची पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। अन्य शहरों में इलाज के लिए जाने की आवश्यकता कम होगी। इससे न केवल स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा, बल्कि क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

मेडिकल टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा। विभाग के प्रस्ताव पर तकनीकी स्वीकृति के बाद खुली निविदा से इसका निर्माण होगा। योजना के तहत व्यय राज्य स्कीम बजट के निर्धारित मदों से किया जाएगा। इसमें अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों तथा अन्य स्वास्थ्य संस्थानों के निर्माण, विस्तार, मशीन एवं उपकरणों की उपलब्धता शामिल है। इसके लिए निर्धारित बजट प्रावधान के अंतर्गत राशि उपलब्ध कराई जाएगी। राशि का हस्तांतरण प्रबंध निदेशक, झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम के खाते में किया जाएगा। इस पूरी राशि के नियंत्रण पदाधिकारी अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग होंगे।

योजना के कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक निर्माण एवं मरम्मत कार्य से पूर्व और बाद में फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी कराई जाएगी। सिविल सर्जन द्वारा कार्यों का नियमित पर्यवेक्षण किया जाएगा और इसकी रिपोर्ट उपायुक्त, रांची को सौंपी जाएगी। वित्त विभाग के निदेशों के अनुरूप राशि की निकासी की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। साथ ही योजना से संबंधित प्रस्तावों को राज्य योजना प्राधिकृत समिति एवं मंत्रिपरिषद से स्वीकृति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर और अनुबंध की शर्तों के अनुसार पूर्ण किए जाएंगे। किसी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित एजेंसियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति की निगरानी के लिए थर्ड पार्टी क्वालिटी कंट्रोल एजेंसी से नियमित मूल्यांकन कराया जाएगा।

अंजुमन इस्लामिया रांची के चुनाव में देरी विकास कार्य ठप, अवाम ने उठाए सवाल

मेट्रो रेज

रांची : रांची में ईद की खुशियों के दरमियान सेवईयों के दस्तरखान पर अंजुमन इस्लामिया के चुनाव में हो रही देरी का मुद्दा चर्चा का विषय बन गया है। आम लोगों और अंजुमन से जुड़े सदस्यों द्वारा चुनाव समिति की कार्यप्रणाली पर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। उनका कहना है कि अंजुमन के पूर्व ओहदेदारों का तीन वर्षीय कार्यकाल समाप्त हुए करीब आठ महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक नए चुनाव नहीं कराए गए हैं, जिससे अंजुमन के विकास कार्य पूरी तरह ठप हो गए हैं।पूर्व पदाधिकारियों के अनुसार, चुनाव नहीं होने के कारण न केवल प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि फलाही (सामाजिक एवं कल्याणकारी) गतिविधियां भी बुरी तरह बाधित हो रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव समिति इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के प्रति पूरी तरह उदासीन बनी हुई है और इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है।

उन्होंने कहा कि शरीयत के अनुसार जब किसी व्यक्ति या समिति को जमाअत या अवाम की ओर से कोई जिम्मेदारी सौंपी जाती है, तो वह एक अमानत होती है और उसका निर्वहन करना शरअन अनिवार्य होता है। ऐसे में जिम्मेदारी से मुंह मोड़ना, विशेषकर तब जब उससे अंजुमन की कार्यप्रणाली प्रभावित हो रही हो, उचित नहीं माना जा सकता। अंजुमन से जुड़े लोगों ने चुनाव संयोजक पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में पूरी तरह विफल रहे हैं। समिति की निष्क्रियता को लेकर अब आम लोगों के बीच भी असंतोष बढ़ने लगा है।उन्होंने मांग की है कि चुनाव में हो रही देरी के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान की जाए और उनसे जवाबदेही तय की जाए। साथ ही, जल्द से जल्द पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव कराने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि अंजुमन इस्लामिया रांची के विकास कार्य फिर से गति पकड़ सकें।

एनके एरिया सरना समिति की बैठक

34वां सरहूल महोत्सव धूमधाम से मनाने का निर्णय

मेट्रो रेज

खलारी: उत्तरी चुरी पंचायत भवन में एनके एरिया सरना समिति की बैठक कन्हाई पासी की अध्यक्षता में हुई । मंच संचालन सूरज मुण्डा ने किया। इस बैठक मे 29 मार्च को 34वां सरहूल महोत्सव धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। सभी ने अपने- अपने विचार रखा। सभी सरना प्रेमियों और कोयलांचल वासियों तथा आसपास के खोड़हा टीमों से आग्रह है किया कि अपने वेशभूषा गाजे बाजे और ढोल नगाड़े के साथ भारी संख्या में पहुंच कर प्रकृति की पूजा की। इस सरहूल महोत्सव को सफल बनाने में लालचंद विश्वकर्मा, अमर भोगता, विरजू लोहार, अशोक उरांव, तानेश्वर उरांव, सूकरा उरांव,रमेश तुरी मनोज मुण्डा, अमीत भोगता और सतिश गंझू व कई गणमान्य सरना प्रेमी उपस्थित थे।

राम के आदर्शों पर चलें : आचार्य धर्मराज

अनगड़ा: जोन्हा के श्रीराम मंदिर में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा में आस्था, श्रद्धा, धर्म और शिक्षा की अविरल गंगा प्रवाहित हो रही है। आचार्य धर्मराज शास्त्री श्रीरामकथा का अत्यंत मार्मिक और मनोरम वर्णन कर रहे हैं। कहा कि श्रीराम अपने कर्मों से मयार्दा पुरुषोत्तम बने। विकट परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने कभी धर्म और नैतिकता का मार्ग नहीं छोड़ा। राम ने अपने संपूर्ण जीवन से मानव जाति को मानवीय मूल्यों और दृढ़ संकल्प का बोध कराया। आचार्य ने कहा कि रामायण एक ग्रंथ मात्र नहीं है, बल्कि एक पूर्ण जीवन चरित्र है। इसके अध्ययन और श्रवण से मनुष्य न केवल चिंताओं से मुक्त होता है, बल्कि उसके व्यवहार और आचरण में भी सकारात्मक परिवर्तन आता है। पंडाल में उपस्थित मुख्य अतिथि रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने व्यासपीठ का दर्शन-पूजन किया। श्री सेठ ने कहा कि धार्मिक आयोजनों से समाज में एकजुटता, शांति और सुसंस्कारों का संचार होता है। श्रीरामकथा और शिव-पार्वती के आदर्श चरित्र के श्रवण से मानव जीवन धन्य हो जाता है। उन्होंने प्रार्थना करते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम और हनुमान देश की सीमाओं पर तैनात वीर जवानों की रक्षा करें, जो विपरीत परिस्थितियों के बावजूद पूरी निष्ठा के साथ अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहे हैं। मौके पर समिति के अध्यक्ष बलराम साहू, नीरज चौधरी, मधुसूदन साहू, सीताराम साहू, उदय साहू, विकास साहू, विनोद मिश्रा, अजय मंडल, विनय साहू, प्रकाश साहू, वसंत सुंडी सहित अन्य उपस्थित थे।

रोज 12000 सिलेंडर की मांग, सप्लाई 10 हजार बैकलॉग खत्म करने में लगेगा एक महीना

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची में घरेलू एलपीजी (गैस) की किल्लत लगातार बढ़ती जा रही है और स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। उपभोक्ताओं को सिलेंडर के लिए कई दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है, फिर भी आपूर्ति सहज नहीं हो पा रही। शहर की विभिन्न गैस एजेंसियों के बाहर रोज लंबी कतारें लग रही हैं, जहां लोग अपनी बुकिंग और नंबर की पुष्टि के लिए घंटों खड़े रहने को मजबूर हैं।

आपूर्ति और मांग का गणित

15% की कमी 1 से 22 मार्च के बीच इंडेन ने रांची में करीब 2,20,000 घरेलू गैस सिलेंडर वितरित किए, लेकिन इसके बावजूद लगभग 65,000 उपभोक्ताओं को अब तक सिलेंडर नहीं मिल सका है। औसतन हर एजेंसी के पास तीन से चार हजार सिलेंडरों का बैकलॉग है। शहर में रोजाना 12,000 सिलेंडरों की बुकिंग हो रही है, जबकि सप्लाई केवल 10,000 की है। रविवार को प्लांट से 10,000 सिलेंडर प्राप्त हुए। डिस्ट्रीब्यूटर्स का कहना है कि मांग के मुकाबले लगभग 15 प्रतिशत कम आपूर्ति के कारण बैकलॉग खत्म करना चुनौतीपूर्ण हो गया है। यदि यही स्थिति रही, तो इसे सामान्य होने में एक महीने से अधिक का समय लग सकता है।

रेस्टोरेंट में व्यंजनों के भाव 20 प्रतिशत तक बढ़े: इधर, कमर्शियल गैस की किल्लत से होटल और रेस्टोरेंट व्यवसायों पर बुरा असर पड़ रहा है। चैंबर की 'होटल एंड रेस्टोरेंट सब-कमेटी' के चेयरमैन त्रिलोचन सिंह ने बताया कि गैस की कमी के कारण कई संस्थानों में 'मेन्यू' आधा कर दिया गया है। व्यंजनों की कीमतों में भी 20 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है क्योंकि अब गैस के विकल्प के रूप में इंडक्शन चूल्हे और कोयले का उपयोग हो रहा है। बाजार में कोयला भी महंगा मिल रहा है।

निर्धारित कीमत से 30 रुपए ज्यादा वसूल रहीं एजेंसियां: रांची के कोकर, बड़ा तालाब, दलादली और कांके रोड जैसे इलाकों में एलपीजी संकट स्पष्ट देखा जा सकता है। सिंह मोड़ की अनीता सिंह ने बताया कि उन्होंने 13 मार्च को मैनुअल बुकिंग कराई थी, लेकिन 'डीएससी नंबर' (डीएससी) नहीं आया। 22 मार्च को अबुल कलाम चौक जाने पर उन्हें गैस मिली, जहां 970 रुपए की निर्धारित कीमत के बदले एजेंसी ने 1000 रुपए वसूले। इसी तरह, आदित्य कुमार ने 7 दिन पहले बुकिंग कराई थी; डीएससी नंबर मिलने के बावजूद उन्हें 22 मार्च को तीन घंटे लाइन में खड़ा होना पड़ा। वैष्णवी गैस एजेंसी पर भी उपभोक्ताओं से तय कीमत से अधिक राशि वसूलने के आरोप लगे हैं।

इस बीच, कमर्शियल एलपीजी (होटल, रेस्टोरेंट, ढाबे आदि) की किल्लत को देखते हुए केंद्र सरकार ने आवंटन बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। तेल कंपनियों के सूत्रों के अनुसार, सोमवार को रांची में अधिकारियों की बैठक होगी, जिसमें यह तय किया जाएगा कि किस श्रेणी के उपभोक्ताओं को प्राथमिकता के आधार पर गैस उपलब्ध कराई जाए। बढ़े हुए कोटे के साथ मंगलवार से कमर्शियल गैस वितरण शुरू होने की पूरी संभावना है, जिससे शहर के रेस्टोरेंट और ढाबों को राहत मिलेगी।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

अभाव से अवसर तक: नीति, नियोजन और विकास का भारतीय अनुभव

इतिहास बीते समय की घटनाओं का संग्रह नहीं होता, वह वर्तमान को समझने और भविष्य की दिशा तय करने का सबसे विश्वसनीय साधन होता है। जब हम भारत के आर्थिक इतिहास को देखते हैं, विशेषकर 1950 से 1991 तक के दौर को, जिसे आमतौर पर ह्ललाइसेंस-परमिट राजह्व कहा जाता है, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि यह एक आर्थिक नीति से अधिक एक ऐसी व्यवस्था थी जिसने देश के आम नागरिक के जीवन, उद्योगों की गति और विकास की दिशा, तीनों को गहराई से प्रभावित किया।

स्वतंत्रता के बाद भारत के सामने गरीबी, संसाधनों की कमी, औद्योगिक पिछड़ापन और असमानता जैसी गंभीर चुनौतियाँ थीं। ऐसे समय में जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में एक नियंत्रित अर्थव्यवस्था को अपनाया गया, जिसका उद्देश्य सीमित संसाधनों का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित करना था। उस समय सोवियत संघ का नियोजित आर्थिक मॉडल प्रभावी माना जा रहा था, इसलिए भारत ने भी उत्पादन, वितरण और मूल्य निर्धारण पर राज्य का नियंत्रण स्थापित किया। इस व्यवस्था के पीछे नीयत यह थी कि समाज के सभी वर्गों तक संसाधन समान रूप से पहुंचे लेकिन व्यवहार में इसका परिणाम एक ह्लअभाव आधारित अर्थव्यवस्थाह्व के रूप में सामने आया। उत्पादन पर नियंत्रण और निजी क्षेत्र पर प्रतिबंधों के कारण मांग और आपूर्ति के बीच गहरा अंतर पैदा हो गया। आम नागरिक के लिए आवश्यक वस्तुएं भी सहज उपलब्ध नहीं रहीं। एक समय ऐसा था जब गैस कनेक्शन के लिए वर्षों तक प्रतीक्षा करनी पड़ती थी, टेलीफोन लगवाना किसी विशेष उपलब्धि से कम नहीं होता था और स्कूटर खरीदने के लिए लंबी कतारों में नाम दर्ज कराना पड़ता था। बजाज ऑटो जैसे सीमित निमार्ताओं के कारण वाहन एक सुविधा नहीं बल्कि विशेषाधिकार बन गया था। जिनके पास संसाधन या संपर्क थे, वे अतिरिक्त भुगतान करके इन वस्तुओं को जल्दी प्राप्त कर लेते थे, जबकि आम व्यक्ति इंतजार करता रहता था।

यही वह बिंदु था जहां अभाव ने धीरे-धीरे भ्रष्टाचार को जन्म दिया और फिर भ्रष्टाचार ने व्यवस्था का रूप ले लिया। जब किसी वस्तु की मांग अधिक और आपूर्ति कम होती है, तो स्वाभाविक रूप से एक समानांतर ह्लब्लैक मार्केटह्व विकसित हो जाता है। लाइसेंस-परमिट राज के दौरान यही हुआ। परमिट प्राप्त करने के लिए रिश्वत, जल्दी डिलीवरी के लिए दलाल और सरकारी तंत्र में अनौपचारिक भुगतान जैसी प्रवृत्तियाँ सामान्य बन गईं।

यह स्थिति केवल आर्थिक समस्या नहीं थी बल्कि सामाजिक और नैतिक स्तर पर भी एक गिरावट का कारण बनी। भ्रष्टाचार केवल एक अपवाद नहीं रहा बल्कि एक स्वीकार्य व्यवहार बन गया, जिसने देश की संस्थागत विश्वसनीयता को कमजोर किया। शहरी नियोजन के क्षेत्र में भी इसी प्रकार की सीमाएँ स्पष्ट दिखाई देती हैं। दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी द्वारा 1960 के दशक में बनाए गए मास्टर प्लान में उस समय की जरूरतों को ध्यान में रखा गया था लेकिन भविष्य में तेजी से बढ़ते मध्यम वर्ग और निजी वाहनों के विस्तार का सही अनुमान नहीं लगाया गया। परिणामस्वरूप आज बड़े शहरों में पार्किंग की समस्या, अव्यवस्थित कॉलोनियाँ और बुनियादी ढांचे पर अत्यधिक दबाव देखने को मिलता है।

उद्योगों के संदर्भ में लाइसेंस राज का प्रभाव और भी स्पष्ट था। किसी भी उद्यमी को नया उद्योग स्थापित करने, उत्पादन बढ़ाने या तकनीकी सुधार करने के लिए सरकारी अनुमति लेनी पड़ती थी। यहाँ तक कि प्रॉक्टर एंड गैम्बल जैसी वैश्विक कंपनियाँ भी बिना अनुमति विस्तार नहीं कर सकती थीं। इस प्रकार की व्यवस्था ने नवाचार को सीमित किया, प्रतिस्पर्धा को दबाया और भारतीय उद्योगों को वैश्विक स्तर पर पीछे कर दिया। राष्ट्रीयकरण की नीतियों के तहत एयर इंडिया और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड जैसे संस्थानों को सरकारी नियंत्रण में लाया गया। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना था लेकिन समय के साथ इन संस्थानों में दक्षता की कमी, राजनीतिक हस्तक्षेप और वित्तीय घाटे की समस्या सामने आई।

यदि इस पूरी अवधि की तुलना विश्व के अन्य देशों से की जाए तो अंतर और स्पष्ट हो जाता है। यूनाइटेड स्टेट्स ने प्रतिस्पर्धा आधारित बाजार को अपनाया, जापान ने उत्पादन और निर्यात पर जोर दिया और जर्मनी ने गुणवत्ता और तकनीकी उत्कृष्टता को प्राथमिकता दी। 1991 का आर्थिक संकट इस पूरी व्यवस्था के लिए निर्णायक मोड़ साबित हुआ। जब विदेशी मुद्रा भंडार समाप्ति के कगार पर पहुंच गया, तब पी.वी. नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह के नेतृत्व में आर्थिक सुधारों की शुरूआत हुई। लाइसेंस-परमिट राज को समाप्त किया गया, निजी क्षेत्र को प्रोत्साहित किया गया और विदेशी निवेश के लिए दरवाजे खोले गए।

इसके बाद भारत ने तेज आर्थिक विकास का अनुभव किया, मध्यम वर्ग का विस्तार हुआ और उपभोक्ता वस्तुओं की उपलब्धता में उल्लेखनीय सुधार हुए। 2014 के बाद के कालखंड में भारत ने आर्थिक और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में एक नई गति देखी है। इस अवधि में सरकार ने डिजिटल अर्थव्यवस्था, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और आधार आधारित सेवाओं के माध्यम से पारदर्शिता बढ़ाने का प्रयास किया है। एलपीजी के क्षेत्र में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से करोड़ों परिवारों तक गैस कनेक्शन पहुंचाया गया, जिससे दशकों पुरानी ऊर्जा असमानता को काफी हद तक कम किया गया। सड़क, रेल और हवाई परिवहन के क्षेत्र में व्यापक निवेश हुआ, जिससे कनेक्टिविटी में सुधार हुआ और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिली। विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए ह्लमेक इन इंडियाह्व जैसी पहलें शुरू की गईं, जबकि डिजिटल भुगतान और स्टार्टअप संस्कृति ने नए अवसरों को जन्म दिया।

यह भी महत्वपूर्ण है कि इस अवधि में शासन की प्रकृति में एक बदलाव देखने को मिला है, जहां नीतियों का उद्देश्य केवल नियंत्रण करना नहीं, बल्कि सुविधा प्रदान करना और प्रक्रियाओं को सरल बनाना रहा है। अंततः, भारत का आर्थिक इतिहास हमें यह सिखाता है कि नीतियों की नीयत जितनी महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण उनका समय पर पुनर्मूल्यांकन और सुधार भी है।

लाइसेंस-परमिट राज ने देश को प्रारंभिक औद्योगिक आधार तो दिया लेकिन विकास की गति को सीमित भी किया। 1991 के बाद के सुधारों और 2014 के बाद की नीतिगत पहलों ने यह दिखाया है कि जब नियंत्रण और स्वतंत्रता के बीच संतुलन स्थापित किया जाता है, तब विकास की संभावनाएँ कई गुना बढ़ जाती हैं। यही इतिहास की सबसे बड़ी सीख है कि परिवर्तन को समय पर स्वीकार करना ही प्रगति की कुंजी है।

दुर्गा सप्तशती के मंत्रों का गूढ़ रहस्य

भदुर्गा सप्तशती के पाठ से पूर्व देवी कवच, अर्गला स्तोत्र और कीलक स्तोत्र का पाठ किया जाता है जो साधना के तीन महत्वपूर्ण आयाम हैं। गीता प्रेस द्वारा प्रकाशित श्री दुर्गा सप्तशती व्याख्या सहित में उल्लेख है कि कवच साधक के शरीर और मन को दैवीय शक्ति से सुरक्षित करता है (पृ.28)। पंडित रामतेज शास्त्री दुर्गा सप्तशती रहस्यह्व में लिखते हैं कि कवच के माध्यम से साधक अपने प्रत्येक अंग को दैवी चेतना से आवेष्टित करता है जिससे भय और असुरक्षा का नाश होता है

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में दुर्गा सप्तशती जिसे देवीमहात्म्य या चण्डीपाठ के नाम से जाना जाता है, वस्तुतः एक चेतना विज्ञान का अत्यंत गहन और बहुआयामी ग्रंथ है। ह्यमार्कण्डेय पुराण के अंतर्गत समाहित यह ग्रंथ सात सौ श्लोकों में आदिशक्ति की महिमा का वर्णन करता है। विद्वानों, तांत्रिक आचार्यों तथा आधुनिक दार्शनिकों ने इसके मंत्रों की सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक प्रक्रिया के रूप में व्याख्या की है।

वास्तव में प्रत्येक हिन्दू को एवं जो भी अपना सर्वकल्याण चाहते हैं, उन्हें अपने जीवन में जब भी संभव हो, दुर्गा सप्तशती का पाठ अवश्य करना चाहिए और उसमें व्याप्त रहस्य को समझने का प्रयास करना चाहिए।

दरअसल दुर्गा सप्तशती का मूल आधार नवाक्षरी मंत्र ह्लओम ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चेह्व है, जिसे संपूर्ण साधना का केंद्र माना गया है। आर्थर एवलॉन अपनी प्रसिद्ध कृति ह्लद सर्पेंट पावरह्व में लिखते हैं कि बीज मंत्र ध्वनि तक सीमित न होकर ब्रह्मांडीय ऊर्जा के संकेंद्रित रूप होते हैं जो साधक की चेतना को परिवर्तित करने की क्षमता रखते हैं (पृ.112)। इसी संदर्भ में स्वामी शिवानंद ह्लदुर्गा सप्तशती अ कमेंट्रीह्व में उल्लेख करते हैं कि यह नवर्ण मंत्र साधक की सुप्त कुण्डलिनी शक्ति को जागृत करता है और उसे सार्वभौमिक चेतना से जोड़ता है (पृ.45)। पंडित गोपीनाथ कविराज अपनी पुस्तक ह्लतांत्रिक साधना एंड शक्ति वर्शिपह्व में लिखते हैं कि बीजाक्षरों की शक्ति साधक के सूक्ष्म शरीर में कंपन उत्पन्न कर आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है (पृ.78)।

दुर्गा सप्तशती के पाठ से पूर्व देवी कवच, अर्गला स्तोत्र और कीलक स्तोत्र का पाठ किया जाता है जो साधना के तीन महत्वपूर्ण आयाम हैं। गीता प्रेस द्वारा प्रकाशित ह्लश्री दुर्गा सप्तशती व्याख्या सहितह्व में उल्लेख है कि कवच साधक के शरीर और मन को दैवीय शक्ति से सुरक्षित करता है (पृ.28)। पंडित रामतेज शास्त्री ह्लदुर्गा सप्तशती रहस्यह्व में लिखते हैं कि कवच के माध्यम से साधक अपने प्रत्येक अंग को दैवी चेतना से आवेष्टित करता है जिससे भय और असुरक्षा का नाश होता है (पृ.63)। स्वामी चिन्मयानंद ह्लद होली गीताह्व में भी इस सिद्धांत को विस्तार देते हुए कहते हैं कि जब मन में सुरक्षा और श्रद्धा का भाव उत्पन्न होता है तभी साधना सफल होती है (पृ.214)।

अर्गला स्तोत्र का मंत्र ह्लरूपं देहि जयं देहि यशो देहि द्विषो जहिह्व गहन मनोवैज्ञानिक अर्थ रखता है। पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य ह्लदुर्गा सप्तशती साधना विज्ञानह्व में लिखते हैं कि यहां रूप का अर्थ आंतरिक सौंदर्य जय का अर्थ आत्मविजय और द्विषो जहि का अर्थ आंतरिक शत्रुओं का नाश है (पृ.102)। डॉ. केसी पांडेय अपनी पुस्तक ह्लफिलॉसफी ऑफ तंत्रह्व में दुर्गा सप्तशती को एक अलग अर्थ में प्रस्तुत करते हैं, उनके अनुसार तांत्रिक साधना में मार्कण्डेय पुराण के इस भाग का विशेष महत्व है, वे कहते हैं कि तांत्रिक साधना का वास्तविक उद्देश्य बा उपलब्धियां नहीं बल्कि आंतरिक शुद्धि है (पृ. 156)।

कीलक स्तोत्र के रहस्य को स्पष्ट करते हुए स्वामी सत्यानंद सरस्वती ह्लचंडी पाठ द सीक्रेट ऑफ दुर्गा सप्तशतीह्व में लिखते हैं कि कीलक साधक के भीतर मौजूद मानसिक अवरोधों का प्रतीक है जो मंत्र की शक्ति को प्रकट होने से रोकते हैं (पृ. 87)। इसी प्रकार स्वामी मुक्तानंद ह्लकुण्डलिनी द सीक्रेट ऑफ लाइफह्व में इस तथ्य की ओर प्रकाश डालते हैं कि संदेह और अशुद्धता आध्यात्मिक प्रगति के सबसे बड़े अवरोध होते हैं (पृ. 134)। इसलिए मां की भक्ति के लिए पूर्ण समर्पण से जाना चाहिए।

दुर्गा सप्तशती के तीन चरित्र महाकाली महालक्ष्मी और महासरस्वती मानव मन के तीन गुणों का प्रतिनिधित्व करते हैं। जिसके बारे में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने गहराई से लिखा है, वे अपनी पुस्तक ह्लइंडियन फिलॉसफीह्व खंड दो में लिखते हैं कि देवीमहात्म्य वास्तव में अज्ञान क्रियाशीलता और ज्ञान के मध्य आंतरिक संघर्ष का प्रतीक है (पृ. 54)। स्वामी अभेदानंद ह्लडॉक्ट्रिन ऑफ कर्माह्व में भी इसी विचार को पुष्ट करते हुए कहते हैं कि मनुष्य का जीवन इन तीन गुणों के संतुलन पर आधारित है (पृ. 89)।

वस्तुतः यहां ध्यान देने योग्य यह भी है कि दुर्गा सप्तशती में आया मंत्र ह्लया देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमःह्व अद्वैत दर्शन का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। स्वामी विवेकानंद ह्लकम्प्लीट वर्क्सह्व में कहते हैं कि प्रत्येक जीव में वही दिव्य शक्ति विद्यमान है और उसी की अनुभूति सर्वोच्च आध्यात्मिक उपलब्धि है (पृ. 312)। इसके साथ ही श्री अरविंद ह्लद लाइफ डिवाइनह्व में लिखते हैं कि समस्त सृष्टि एक ही चेतना की अभिव्यक्ति है (पृ. 67)। अब हम इसके दूसरे पक्ष की ओर भी देखते हैं, जो अंधकारमय एवं ऊर्जा के स्तर पर नकारात्मक है, वस्तुतः दुर्गा सप्तशतीह्व में वर्णित राक्षसों का भी गहन मनोवैज्ञानिक अर्थ है। स्वामी तेजोमयानंद देवी महात्म्यम द इनर मीनिंगह्व में लिखते हैं कि महिषासुर अहंकार का प्रतीक है रक्तबीज अनियंत्रित इच्छाओं का और शुंभ-निशुंभ मानसिक द्वंद्व का प्रतिनिधित्व करते हैं (पृ.76)। वहीं, इस संदर्भ में लेखक कार्ल युंग के विचार भी यहां देखने योग्य है, वे अपनी कृति ह्लमॉडर्न मैन इन सर्च ऑफ अ सोलह्व में लिखते हैं कि मानव मन के भीतर के दानव वास्तव में उसकी अवचेतन प्रवृत्तियां हैं जिन्हें समझना और नियंत्रित करना आवश्यक है (पृ. 142)।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारत में बाल मृत्यु दर में गिरावट देश के लिए सुखद संकेत

भारत की सफलता में सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। मिशन इंद्रधनुष जैसे अभियानों ने यह सुनिश्चित किया कि हर बच्चे तक जीवन रक्षक टीके पहुंचें। टीकाकरण के माध्यम से खसरा, डायरिया, निमोनिया जैसी बीमारियों पर नियंत्रण पाया गया, जो पहले बच्चों की मृत्यु के प्रमुख कारण थे। इसके साथ ही आशा कार्यकताओं और आंगनवाड़ी सेवाओं ने गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक किया, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति विश्वास बढ़ा और उनका उपयोग भी अधिक हुआ।

डॉ. निवेदिता शर्मा

युक्त राष्ट्र ने बाल मृत्यु दर में गिरावट को लेकर भारत की जमकर सराहना की है। दरअसल, हाल ही में संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट ने भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की उपलब्धियों को वैश्विक मंच पर उजागर किया है। यूएनआईजीएमई की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने बाल मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी लाकर दुनिया को एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए नरेंद्र मोदी ने भी इसे देश की सामूहिक सफलता बताया और स्वास्थ्य क्षेत्र में किए गए सतत प्रयासों की सराहना की है।

रिपोर्ट के अनुसार, 1990 में जहां नवजात शिशु मृत्यु दर 57 प्रति हजार जीवित जन्म थी, वह 2024 में घटकर 17 रह गई है, जो लगभग 70 प्रतिशत की कमी को दर्शाती है। इसी प्रकार पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर 127 से घटकर 27 प्रति हजार हो गई है, जोकि लगभग 79 प्रतिशत की गिरावट है। ये आंकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि भारत ने स्वास्थ्य सेवाओं को व्यापक बनाते हुए उन्हें प्रभावी ढंग से लागू किया है।

भारत सरकार ने बाल और मातृ स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू कीं, जिनका सीधा प्रभाव मृत्यु दर में कमी के रूप में सामने आया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने देश के दूर-दराज क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की, वहीं जननी सुरक्षा योजना ने संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देकर प्रसव के दौरान होने वाली जटिलताओं को कम किया। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान ने गर्भवती महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच और विशेषज्ञ परामर्श उपलब्ध कराया। इन योजनाओं ने मिलकर एक ऐसा स्वास्थ्य तंत्र तैयार किया, जिसमें जोखिम की पहचान समय रहते हो सके और उपचार तुरंत उपलब्ध हो।

भारत की सफलता में सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। मिशन इंद्रधनुष जैसे अभियानों ने यह सुनिश्चित किया कि हर बच्चे तक जीवन रक्षक टीके पहुंचें। टीकाकरण के माध्यम से खसरा, डायरिया, निमोनिया जैसी बीमारियों पर नियंत्रण पाया गया, जो पहले बच्चों की मृत्यु के प्रमुख कारण थे। इसके साथ ही आशा कार्यकताओं और आंगनवाड़ी सेवाओं ने गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक किया, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति विश्वास बढ़ा और उनका उपयोग भी अधिक हुआ। यह जनभागीदारी भारत की सफलता का एक मजबूत स्तंभ बनकर उभरी है।

भारत में संस्थागत प्रसव की दर में हुई वृद्धि ने नवजात शिशुओं की मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अस्पतालों में सुरक्षित प्रसव और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता ने प्रसव से जुड़े जोखिमों को काफी हद तक कम किया है। इसके साथ ही नवजात गहन चिकित्सा इकाइयों (ठकउव) का विस्तार भी एक बड़ा कदम साबित हुआ है। इन इकाइयों में समय से पहले जन्मे या बीमार शिशुओं को विशेष देखभाल मिलती है, जिससे उनकी जीवित रहने की संभावना बढ़ जाती है। दक्षिण एशिया में नवजात मृत्यु दर में आई कमी में भारत की इन पहलों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

भारत ने उन बीमारियों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया, जो बच्चों की मृत्यु के प्रमुख कारण थीं। डायरिया के इलाज के लिए डफ्र और जिंक के उपयोग को बढ़ावा दिया गया, वहीं निमोनिया के उपचार और रोकथाम के लिए व्यापक अभियान चलाए गए। मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रमों ने प्रभावित क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की। इन लक्षित प्रयासों ने यह सिद्ध किया कि यदि सही दिशा में योजनाबद्ध तरीके से काम किया जाए, तो रोकी जा सकने वाली बीमारियों से होने वाली मौतों को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

भारत की इस सफलता के पीछे केंद्र और राज्य सरकारों के बीच मजबूत समन्वय भी एक महत्वपूर्ण कारण रहा है। केंद्र सरकार द्वारा बनाई गई नीतियों को राज्यों ने स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार लागू किया, जिससे योजनाओं का प्रभाव अधिक व्यापक और प्रभावी हुआ। यह सहकारी संघवाद का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसमें नीति निर्माण और क्रियान्वयन के बीच संतुलन बना रहा। इस समन्वय ने स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डिजिटल तकनीक के उपयोग ने भी भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र को नई दिशा दी है। मातृ और शिशु स्वास्थ्य की निगरानी के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म और डेटा आधारित प्रणालियों का उपयोग किया गया, जिससे योजनाओं के प्रभाव का मूल्यांकन संभव हुआ। इससे सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होने के साथ ही संसाधनों का बेहतर उपयोग भी सुनिश्चित हुआ। डेटा आधारित निर्णय लेने की यह प्रक्रिया भारत की स्वास्थ्य प्रणाली को अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी बनाती है।

रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण एशिया में बाल मृत्यु दर में आई गिरावट में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। 2000 में जहां इस क्षेत्र में प्रति हजार जन्मों पर 92 बच्चों की मृत्यु होती थी, वहीं 2024 में यह घटकर लगभग 32 रह गई है। यह बदलाव इस बात का संकेत है कि भारत के प्रयासों का प्रभाव राष्ट्रीय स्तर आगे वैश्विक प्रभाव के रूप में दिख रहा है। हालांकि भारत ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है, लेकिन अभी भी कई चुनौतियां सामने हैं। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच स्वास्थ्य सेवाओं की असमानता, कुपोषण की समस्या और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं की सार्वभौमिक उपलब्धता जैसे मुद्दे अभी भी समाधान की मांग करते हैं। दक्षिण एशिया में अभी भी दुनिया के लगभग 25 प्रतिशत बाल मृत्यु के मामले सामने आते हैं, जो इस दिशा में निरंतर प्रयासों की आवश्यकता को दशार्ता है। भारत को अब अपनी उपलब्धियों को बनाए रखते हुए नई चुनौतियों का समाधान करना होगा। आज भारत में बाल मृत्यु दर में आई गिरावट एक ऐसी उपलब्धि है, जोकि निश्तिच ही देश के लिए गर्व का विषय है। यह दुनिया के अन्य विकासशील देशों के लिए भी एक प्रेरणा है। संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि ठोस नीतियां, मजबूत इच्छाशक्ति और प्रभावी क्रियान्वयन होने लगे तब उस स्थिति में कोई समस्या लम्बे समय तक नहीं ठहर सकती है। ऐस में बड़े से बड़े लक्ष्य भी हासिल किए जा सकते हैं। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा व्यक्त किया गया विश्वास इस दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। आने वाले समय में भारत यदि इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करता रहा, तब इतना सुनिश्चित है कि वह वैश्विक स्वास्थ्य क्षेत्र में नेतृत्व की भूमिका भी निभाता हुआ दिखाई देगा।

(लेखिका मध्य प्रदेश बाल संरक्षण आयोग की पूर्व सदस्य एवं सामाजिक कार्यकर्ता है)

'कृष्ण-कृष्ण' और 'शिव-शिव' का जाप क्यों है वर्जित?

हिंदू धर्म में नाम जाप का अधिक महत्व होता है। माना जाता है कि अगर कोई व्यक्ति पूजा-पाठ या हवन आदि नहीं कर सकता है या फिर उसने कोई पुण्य कर्म नहीं किए हैं। तो सिर्फ नाम जाप करने से जातक को पूजा-पाठ और पुण्य कर्मों का फल कई अधिक गुना मिलता है। नाम जप भगवान की भक्ति का सबसे सरल तरीका माना जाता है। यही वजह है कि अक्सर अभिवादन के समय लोग देवी-देवताओं का नाम लेते हैं। जैसे- राम-राम, राधे-राधे, जय श्रीकृष्ण या फिर हर-हर महादेव। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जैसे राम-राम या राधे-राधे बोला जाता है, ठीक उसी तरह शिव-शिव क्यों नहीं कहा जाता है।

क्यों नहीं कहा जाता है कृष्ण-कृष्ण या शिव-शिव

ऐसा नहीं है कि कृष्ण-कृष्ण कहने पर पाबंदी है। लेकिन धार्मिक मान्यता के हिसाब से देखा जाए, तो कृष्ण-कृष्ण इसलिए नहीं कहा जाता है, क्योंकि श्रीकृष्ण का नाम हमेशा श्रीराधा के साथ लिया जाता है।

श्रीकृष्ण ने न सिर्फ ऐसा वरदान राधा रानी को दिया था, बल्कि वह स्वयं अपना नाम राधा रानी के साथ जोड़ते थे। इसलिए कहा जाता है कि कृष्ण को बुलाना है तो राधा रानी का नाम उनके नाम के साथ लिया जाना चाहिए।

धार्मिक शास्त्रों में इस बात का उल्लेख मिलता है कि श्रीकृष्ण की कृपा किसी भी व्यक्ति को तभी प्राप्त होती है, जब व्यक्ति पर श्रीराधा की कृपा होती है। इसलिए श्रीराधा का नाम कृष्ण के नाम से पहले लिया जाता है।

वहीं शिव-शिव इसलिए नहीं कहा जाता है, क्योंकि भगवान शिव स्वयं में पूर्ण हैं। वह बैरागी भी हैं और गृहस्थी भी हैं। वहीं इसके पीछे अंक ज्योतिष का भी योगदान है। 'श' अक्षर का अंक 30 है और 'व' का अंक 29 है।

अगर 30 और 29 को जोड़ा जाए, तो मूल अंक 59 आएगा। अगर 59 को जोड़ा जाए, तो मूल अंक 14 आएगा और इसको जोड़कर आखिरी अंक 5 रह जाएगा। 5 अंक पंच तत्व और भूतों का प्रतीक है।

ऐसे में जब हम शिव-शिव कहते हैं, तो पंच तत्वों और पंच भूतों की ऊर्जा हमारी ओर आकर्षित होती है। क्योंकि मनुष्य खुद पंच तत्व से बना है तो यह ऊर्जा सहन कर लेते हैं। लेकिन पंच भूतों की ऊर्जा व्यक्ति को हानि पहुंचा सकती है।

इसलिए शिव-शिव नहीं बोला जाता है। इसके बदले हर-हर महादेव कहा जाता है। या फिर भगवान शिव का पंचाक्षर मंत्र 'ऊँ नमः शिवाय' बोला जाता है।

टिप्स

सेहतमंद रखेगा प्रोटीन से भरपूर खानपान

स्वस्थ रहने के लिए हमारे भोजन में समुचित मात्रा में प्रोटीन और विटामिन बहुत जरूरी हैं। वजह ये है कि शरीर की कोशिकाओं के निर्माण, मरम्मत और रखरखाव के लिए प्रोटीन सबसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। प्रोटीन हमारी मांसपेशियों, हड्डियों, त्वचा, बालों और नाखूनों के विकास के साथ-साथ एंजाइमों, हार्मोन के संतुलन और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक है। साथ ही यह पेट को लंबे समय तक तृप्त रखकर वजन को नियंत्रित करने में भी मदद करती है।

प्रोटीन का महत्व और प्रमुख कार्य

प्रोटीन हमारे शरीर की कोशिकाओं और ऊतकों का निर्माण करते हैं। यह नई सेल्स के निर्माण और पुरानी कोशिकाओं की मरम्मत के लिए आवश्यक है। प्रोटीन मांसपेशियों (मसल्स) और हड्डियों के विकास और उन्हें मजबूत रखने के लिए अपरिहार्य है। ये शरीर के लिए हार्मोन और एंजाइम का निर्माण करते हैं। प्रोटीन हमारे शरीर की बीमारियों से सुरक्षा की क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं। यानी संक्रमण से फैलने वाली बीमारियों से बचाने में महत्वपूर्ण प्रोटीन की भूमिका अहम है। एक और महत्वपूर्ण कार्य यह है कि लाल रक्त कोशिकाओं में मौजूद प्रोटीन शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने का कार्य भी करती है। प्रोटीन हमारे बाल और त्वचा के स्वास्थ्य का रखरखाव करती है।

मुख्य स्रोत

प्रोटीन के शाकाहारी स्रोतों में दालें,बीन्स, सोयाबीन,छोले,राजमा,क्विनोआ,मेवे बीज और साबुत अनाज उत्कृष्ट माने जाते हैं। इनमें टोफू,दूध और दही शामिल हैं। जबकि मांसाहारी स्रोतों में अंडे का सफेद भाग, मछली आदि शामिल हैं। दरअसल डेयरी उत्पाद, अंडे व मछली आदि के सेवन से शरीर के लिए आवश्यक अमीनो एसिड प्राप्त होते हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

धनबाद फरक्का भागलपुर समेत 16 टीमों ने लिया हिस्सा रोमांचक हुआ मुकाबला

साहिबगंज/बोरियो : बोरियो प्रखंड परिसर स्थित मैदान में रविवार को एक दिवसीय डे नाइट वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया।टूर्नामेंट का विधिवत उद्घाटन बीडीओ नागेश्वर साव,थाना प्रभारी रोहित कुमार सिंह,झामुमो प्रखंड अध्यक्ष स्टीफन मुर्मू एवं पूर्व प्रमुख मंडल मरांडी द्वारा संयुक्त रूप से फीता काट कर किया गया।उद्घाटन मैच भावनाथपुर बनाम बड़ा बांसडीहा के बीच खेला गया,जिसमें भवनाथपुर ने बड़ा बांसडीहा को शिकस्त दे दिया। जिसके बाद भागलपुर बनाम सकरीगली के बीच मैच हुई,इस मुकाबले में भागलपुर ने सकरीगली को शिकस्त दिया।टूर्नामेंट के मुख्य प्रबंधक सुनील साह ने बताया कि कूल 16 टीम इस टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए आए हुए हैं,जिसमें भागलपुर,फरक्का, सकरीगली धनबाद चंपानगर,संत माइकल,भावनाथपुर,मोतीपहाड़ी, बाखरपुर,बोरियो,डबल बुल बोरियो, बाबूपुर समेत कई अन्य टीम हैं।रेफरी के रूप में बीरेंद्र कुमार,स्कोरर के रूप में बमबम कुमार,कुमार श्वेत,वक्ता के रूप में रवि कुमार साह मुख्य भूमिका में थे।जिला खेल विभाग द्वारा इस टूर्नामेंट में क्लब को स्पोर्ट्स इक्विपमेंट उपलब्ध कराया गया।टूर्नामेंट को सफल बनाने में मुख्य रूप से आदर्श स्पोर्ट्स वॉलीबॉल क्लब के संयुक्त सचिव रवि पासवान,कैश अंसारी,जयकांत भगत,मिठू दत्ता,निताई मंडल,रामचंद्र साह,सूरज सुधानंद,संतोष भगत,अंकित कुमार सहित अन्य भूमिका में थे।

वार्ड पार्षद रश्मि चोखानी ओर अमित भारती को मारवाड़ी सम्मेलन में किया सम्मानित

साहिबगंज : रांची स्थित मारवाड़ी भवन में झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था।जिसमें साहिबगंज नगर परिषद वार्ड नंबर आठ की निर्विरोध निर्वाचित वार्ड पार्षद रश्मि चोखानी ओर बरहरवा नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर तीन के वार्ड पार्षद अमित भारती को मुख्य अतिथि पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने मोमेंटो,अंग वस्त्र,प्रभु श्री राम का तैलीय चित्र व बुके देकर सम्मानित किया।वही सम्मानित होने के बाद कहा कि आज के समय में स्वास्थ्य स्वच्छता, शिक्षा व पर्यावरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।नगर परिषद व नगर पंचायत की कार्यप्रणाली में सुधार लाया जाए।जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र,सफाई व्यवस्था एवं प्रशासनिक कार्यों में हो रही ढिलाई और अनावश्यक खर्च से आम जनता,विशेषकर गरीब वर्ग को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।गरीब एवं आम जनता को सभी सरकारी योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ सुचारू रूप से मिले,ताकि उनके बच्चे बेहतर शिक्षा प्राप्त कर सकें और समाज में आगे बढ़ सकें।मौके पर धनबाद मेयर सुधा गुप्ता,अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल प्रशासनिक सेवा में कार्यरत ईसा जैन,वरिष्ठ उपाध्यक्ष नवीन पोद्दार,पवन शर्मा,गोपाल चोखानी सहित अन्य उपस्थित थे।

पूरे प्रांत में 4200 से अधिक अभ्यर्थी ने परीक्षा के लिए आवेदन दिया था : पर्यवेक्षक

साहिबगंज : विद्या भारती विद्यालय जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में आचार्य चयन परीक्षा का आयोजन किया गया।आचार्य चयन परीक्षा के बारे में बताते हुए विद्या भारती झारखंड के संवाददाता और परीक्षा के निमित्त प्रांत के पर्यवेक्षक मनोज भारद्वाज ने बताया की पूरे प्रांत में 4200 से अधिक अभ्यर्थी ने परीक्षा के लिए आवेदन दिया था।इस परीक्षा का आयोजन 10 केंद्रों पर आयोजन किया गया।लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण करने वाली परीक्षार्थी की मौखिक परीक्षा 13 एवं 14 अप्रैल को रांची के प्रशिक्षण विद्यालय में आयोजित की जाएगी।लिखित एवं मौखिक परीक्षा के परिणाम के उपरांत सफल अभ्यर्थियों को 20 दिनों के प्रशिक्षण के लिए रांची बुलाया जाएगा। यह परीक्षा पीआरटी टीजीटीपीजीटीजी,वाटिका,काउंसलर,संगीत एवं कार्यालय प्रमुख के लिए किया गया।केंद्राधीक्षक एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील पंडित ने बताया कि टीजीटी में 56, पीआरटी में 30 व पीजीटी में 13 परीक्षार्थी उपस्थित थे।वीक्षक के रूप में विद्यालय के आचार्य जी ,दीदी जी उपस्थित थे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान चला

साहिबगंज : सदर प्रखंड स्थित महादेवगंज जयंतग्राम मे भारतीय जनता पार्टी ग्रामीण मंडल द्वारा एक दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय महाअभियान प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया।जिसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल ने किया। प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ सर्वप्रथम पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी व भारत माता की तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया।इस प्रशिक्षण में मंडल के पदाधिकारी शक्ति केंद्र के संयोजक सह संयोजक प्रभारी एवं बूथ अध्यक्ष शामिल हुए।मंच का संचालन महामंत्री ओमप्रकाश पांडे ने किया।प्रशिक्षण शिविर में सभी वक्ताओं ने अपनी बात रखकर मंडल पदाधिकारी का शक्ति केंद्र संयोजक सह संयोजक प्रभारी को प्रशिक्षित किया। कार्यकताओं में उत्साह का माहौल देखा गया।मौके पर जिला उपाध्यक्ष रामानंद साह,भाजपा जिला मंत्री मनोज यादव, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य धर्मेंद्र कुमार सहित कई कार्यकर्ता शामिल हुए।

जल ही जीवन है और वर्तमान समय में जल संरक्षण अत्यंत आवश्यक हो गया है

संवाददाता

साहिबगंज : विश्व जल दिवस के अवसर पर आज साहिबगंज जिले में पेयजल व स्वच्छता प्रमंडल के सौजन्य से जल महोत्सव का समापन समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया। यह जल महोत्सव 8 मार्च से 22 मार्च 2026 तक जिले के विभिन्न प्रखंडों व गांवों में आयोजित किया गया।जिसके अंतर्गत जल संरक्षण, स्वच्छता, वर्षा जल संचयन एवं सुरक्षित पेयजल के प्रति लोगों को जागरूक करने हेतु विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए गए।समापन समारोह में जल सहिया दीदी, स्कूली छात्र-छात्राएं शिक्षक जनप्रतिनिधि एवं विभागीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिले के विभिन्न विद्यालयों व पंचायतों में आयोजित पेंटिंग क्विज व निबंध प्रतियोगिता प्रभात फेरी नुक्कड़ नाटक, जागरूकता रैली एवं जल संरक्षण शपथ कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में जल सहिया दीदियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही जिन्होंने गांव-गांव

जाकर लोगों को स्वच्छ पेयजल के उपयोग जल बचत हैं डपंप व जल स्त्रोतों की सफाई और जल जनित बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक किया। वक्ताओं ने कहा कि जल ही जीवन हैऔर वर्तमान समय में जल संरक्षण अत्यंत आवश्यक हो गया है। यदि आज जल का संरक्षण नहीं किया गया तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ेगा।अतः सभी लोगों से जल का विवेकपूर्ण उपयोग करने एवं इसकी बबार्दी रोकने की अपील की गई।समारोह के दौरान उपस्थित सभी लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। शपथ के माध्यम से सभी ने यह संकल्प लिया कि वे जल की बबार्दी नहीं करेंगे। वर्षा जल संचयन को अपनाएंगे, अपने घरों एवं आसपास स्वच्छता बनाए रखेंगे अन्य लोगों को भी जल संरक्षण के प्रति जागरूक करेंगे।जल महोत्सव के दौरान जिले भर में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। चौक-चौराहों, विद्यालयों, पंचायत भवनों एवं सार्वजनिक स्थलों पर नुक्कड़ नाटक, जागरूकता रथ एवं प्रभात फेरी के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण, स्वच्छता, शौचालय उपयोग, वर्षा जल संचयन व जल स्त्रोतों की सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों, जल सहिया दीदियों, शिक्षकों एवं सहयोगियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया गया। समारोह का समापन जल है। तो कल है हर बूंद कीमती है जैसे संदेशों के साथ किया गया।इस प्रकार विश्व जल दिवस के अवसर पर आयोजित जल महोत्सव का सफल समापन हुआ।जो जिले में जल संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित हुआ।

जल संरक्षण और सरकारी योजनाओं के प्रति लोगों को किया गया जागरूक

संवाददाता

साहिबगंज : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश पर तथा प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण साहिबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में विश्व जल दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने बताया कि पारा लीगल वॉलिंटियर्स न्याय मित्रों द्वारा गांव-गांव में जाकर लोगों को जल संरक्षण के महत्व, स्वच्छ पेयजल के उपयोग, जल स्त्रोतों के संरक्षण तथा सरकार द्वारा संचालित जल संबंधी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।कार्यक्रम के दौरान यह संदेश दिया गया कि जल है तो कल है।इसलिए प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह जल का सदुपयोग करे और इसके संरक्षण के प्रति जागरूक रहे। लोगों को वर्षा जल संचयन जल की बबार्दी रोकने, पारंपरिक जल स्त्रोतों के संरक्षण और स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।इसके अतिरिक्त लोगों को जल जीवन मिशन सहित अन्य सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।ताकि वे स्वच्छ पेयजल एवं संबंधित सुविधाओं का लाभ उठा सकें। साथ ही यह भी बताया गया कि स्वच्छ जल और स्वच्छ पर्यावरण स्वस्थ जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं, स्थानीय नागरिक एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना स्वच्छ जल के महत्व को समझाना तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक जागरूकता पहुंचाना था।जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने आश्वस्त किया कि भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितकारी जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

यूजीसी काला कानून वापस हो : सवर्ण सेना

संवाददाता

साहिबगंज : यूजीसी एक्ट काला कानून के विरोध में साहिबगंज सवर्ण सेना के द्वारा विरोध जारी है।इसी क्रम में रविवार को सवर्णों समाज की बैठक वार्ड संख्या 26 जिरवाबाड़ी छोटा पचगढ़ में विरेंद्र झा की अध्यक्षता मे हुई।बैठक में मौजूद वक्ताओं ने कहा कि केंद्र की वर्तमान भाजपा की सरकार पूरे देश में सामाजिक अंतर विरोध की स्थिति पैदा कर दी है,सामाजिक समरसता प्रेम भाव के ऊपर भीषण संकट उत्पन्न हो गया है।केंद्र सरकार अपने वोट बैंक की खातिर पूरे भारत के सवर्ण समाज के बच्चों के वर्तमान एवं भविष्य के साथ कुठाराघात यूजीसी एक्ट लाने का प्रयास कर रही है।जिसका व्यापक विरोध किया जाएगा। आने वाले लोक सभा चुनाव एवं विधान सभा निर्वाचन में भी सवर्ण जाति भाजपा सरकार के विरोध में अपना मत का प्रयोग करेंगे,आज की बैठक में निर्णय लिया गया कि सवर्ण सेना साहिबगंज के द्वारा बहुत जल्द जिला स्तर पर एक विशाल धरना प्रदर्शन का आयोजन करते हुए उपायुक्त साहिबगंज के माध्यम से राज्यपाल एवं प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएगा,एवं आगामी 13 अप्रैल 2026 को परशुराम जयन्ती के अवसर पर एक विशाल धरना प्रदर्शन का भी आयोजन किया जायेगा।यह जुलूस में साहिबगंज के सभी सवर्ण समाज के लोग भारी संख्या में शामिल होंगे।बैठक में सवर्ण सेना साहिबगंज के जिला संयोजक डब्लू ओझा,अंकित पांडे,प्रोफेसर सुबोध कुमार झा,सेवानिवृत शिक्षक जंग बहादुर ओझा,परमानंद झा,राम इकबाल सिंह,अजीत झा,अनमोल झा, मनोज दुबे,अधिवक्ता गौतम सिंह,बच्चन पाठक,राजेश वर्मा,रविंद्र झा, निशिकांत झा परमानंद झा,आचार्य जय किशोर झा,सुमन झा,चंदन झा,अनिल सिंह,संजय तिवारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

उपायुक्त ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

संवाददाता

देवघर : जिले के उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने रविवार को अपने कार्यालय कक्ष में जिले के उन प्रतिभावान खिलाड़ियों से मुलाकात की, जिन्होंने हाल के दिनों में राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर उपायुक्त ने राष्ट्रीय ट्राइबल खेलो इंडिया कबड्डी प्रतियोगिता में चयनित विकास कोल एवं झारखंड स्टेट पुलिस गेम्स में स्वर्ण जितने वाले चंदन और प्रभात के अलावा किट्स यूनिवर्सिटी ओड़िसा में आयोजित राष्ट्रीय यूथ

वॉलीबॉल चैंपियनशिप में झारखंड के प्रतिनिधित्व करने वाली इशिका चौहान (कप्तान) और दिव्या कुमारी सहित कबड्डी के कोच अलोक कुमार से मुलाकात कर सभी खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। मुलाकात के दौरान उपायुक्त श्री लकड़ा ने खिलाड़ियों के साथ उनके अनुभवों पर चर्चा की और खेल के प्रति उनके समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास के लिए जरूरी है, बल्कि यह युवाओं में अनुशासन और टीम भावना का संचार भी करता है। आगे उपायुक्त ने जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि जिले में खेल की दिशा को और बेहतर बनाने और अधिक से अधिक युवाओं को खेलों से जोड़ने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन खिलाड़ियों की सफलता से प्रेरित होकर जिले के अन्य युवा भी खेलों के प्रति सजक और समर्पित होंगे। इस दौरान संबंधित अधिकारी, डीएसए के अधिकारी व सदस्य उपस्थित।

बेमौसम बारिश का कहर गेहूं, मक्का, सरसों की फसलें तबाह मुआवजे की मांग तेज

साहिबगंज : जिला में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही तेज हवा और बेमौसम बारिश ने किसानों की कमर तोड़ दी है। खेतों में खड़ी फसल घर पहुंचने से पहले ही पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। बारिश और तेज हवा के कारण किसानों के खेत में लगे गेहूं मक्का सरसों,मटर, मसूर और चना जैसी प्रमुख फसलें चौपट हो गई हैं।जिससे किसानों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।मेहनत-मजदूरी कर खेती करने वाले किसान इस बार कुदरत की मार झेलने को मजबूर हैं।किसान अजय यादव ने जिला प्रशासन और सरकार से अपील की है कि नुकसान का आकलन कर जल्द मुआवजा दिया जाए।वहीं किसान जय राम पासवान और सोहन पासवान का कहना है कि वे आधी-बटाई पर खेती कर किसी तरह परिवार का भरण-पोषण करते हैं। लेकिन इस बार बारिश ने उन्हें पूरी तरह तोड़ दिया है।अब बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन समय रहते इन किसानों की मदद के लिए आगे आएगा,या फिर किसान ऐसे ही अपनी किस्मत पर आंसू बहाने को मजबूर रहेंगे।

जल शपथ दिलाकर सभी को जल संरक्षण के लिए किया गया जागरूक

संवाददाता

देवघर : जिले में जल महोत्सव कार्यक्रम के तहत उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में आज रविवार को विश्व जल दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य जल स्त्रोतों के संरक्षण, वर्षा जल संचयन और पानी की बबार्दी को रोकने के लिए सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना है। इस दौरान विश्व जल दिवस को लेकर उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, विभिन्न प्रखंडो के प्रखंड विकास पदाधिकारी, पंचायतों के मुखिया, जल सहिया ने अपने अनुभवों को साझा किया। आगे कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारी, पंचायत के मुखिया, मास्टर जल सहिया, जल सहिया एवं कर्मियों को जल शपथ दिलाया गया, ताकि सभी जल संरक्षण की दिशा में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

मौके पर उपायुक्त श्री लकड़ा ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि पानी के बिना

जीवन की कल्पना करना असंभव है और इसके महत्व को समझते हुए हर साल 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाया जाता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वच्छ और सुरक्षित जल को सभी लोगों तक पहुंचाने के साथ-साथ जल के संरक्षण पर भी ध्यान देना है। आप सभी जानते हैं कि हमारे जीवन में जल का महत्व क्या है। हम सभी को यह प्रयास करना चाहिए की जल संचयन ज्यादा से ज्यादा हो जिससे हमारे यहां पानी का लेयर बरकरार रहे और जल संकट से जूझना न पड़े। आगे उन्होंने स्पष्ट किया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य न केवल स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना है, बल्कि आम जनमानस को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करना भी है। साथ ही उपायुक्त ने हर घर नल जल योजना के तहत बेहतर गति के साथ कार्य करने के अलावा हरेक पंचायत में जलकर शुरू करने की बात कही। इसके अलावा उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए उपायुक्त ने जिले के सभी जल स्त्रोतों की जियोटैगिंग करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने 'थीम बेस्ड' सफाई अभियान चलाने पर जोर दिया, जिसके तहत तालाबों, नदियों सार्वजनिक स्थलों और खेल के मैदानों को स्वच्छ रखा जा सके। उपायुक्त ने बेहतर प्रदर्शन करने वालों को किया सम्मानित....

कार्यक्रम के अंत में, जल संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मास्टर जल सहिया, जल सहिया, पंचायत के मुखिया, कनीय अभियंता और अन्य कर्मियों को उपायुक्त द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। उपायुक्त ने उनके प्रयासों की सराहना करते हुए अन्य कर्मियों को भी इसी निष्ठा से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम में जिले के उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल देवघर व मधुपुर, विभिन्न प्रखंडो के प्रखंड विकास पदाधिकारी, मुखिया, जल सहिया, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी, संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मी आदि उपस्थित थे।

मिडलाइफ कोई संकट नहीं बल्कि

महिला की असली ताकत का उदय है: लिसा रे

फिल्म 'कसूर' से भारतीय सिनेमा में लोकप्रियता हासिल करने वाली कनाडाई-भारतीय अभिनेत्री लिसा रे अब भले ही स्क्रीन पर दिखाई नहीं देती हैं लेकिन वे सोशल मीडिया के जरिए महिलाओं के स्वास्थ्य, उम्र बढ़ने और जीवन के विभिन्न पहलुओं पर खुलकर बात करती रहती हैं। लिसा रे ने मंगलवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने विचार व्यक्त किए। इस पोस्ट में उन्होंने मिडलाइफ के बारे में अपने भाव व्यक्त किए। अभिनेत्री ने लिखा, 'जब शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन कम होने लगता है, तो कई बदलाव आते हैं। लोग अब दूसरों को खुश करने की पुरानी आदत छोड़ देते हैं। खुद पर शक करना कम हो जाता है और मन की शांति सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण लगने लगती है। वहीं, अपनी बनाई गई सीमाएं और नियम मजबूत होने लगते हैं। लिसा ने लिखा, 'मिडलाइफ वह दौर है जब हार्मोन के बदलाव के साथ-साथ जिंदगी की बेकार चीजें भी दूर हो जाती हैं। अब कम माफी मांगते हैं, कम खुद को साबित करने की कोशिश करते हैं। अपनी कीमत खुद समझ आती है। जरूरत पड़ने पर साफ 'ना' कहना आसान हो जाता है और जीवन ज्यादा सुकून से जीने लगता है। अपनी बात को खत्म करते हुए अभिनेत्री ने लिखा कि मिडलाइफ कोई संकट या क्राइसिस नहीं है बल्कि यह वह खास समय है जब महिला अपनी असली ताकत के साथ जीना शुरू करती है। यह जीवन की कहानी का दूसरा हिस्सा होता है, जो आखिरकार पूरी तरह उसका अपना होता है। सच तो यह है कि महिलाओं की जिंदगी का यह सबसे महत्वपूर्ण और शक्तिशाली दौर होता है। '

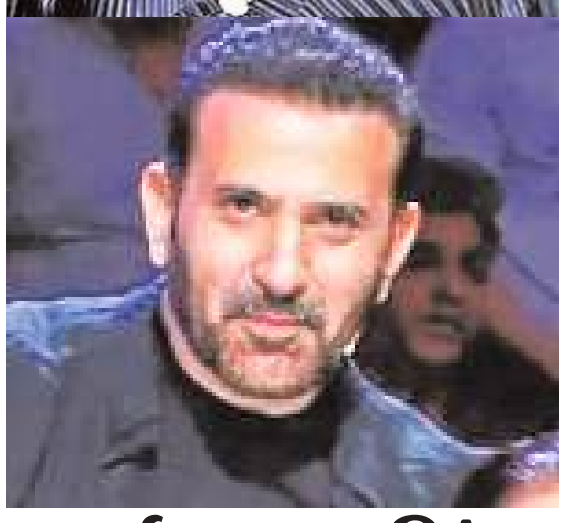

अर्चना पूरन सिंह और परमीत सेठी ने लिया ब्रेक

कुछ समय के लिए बंद किया यूट्यूब चैनल

अर्चना पूरन सिंह अपने फैमिली यूट्यूब चैनल 'आप का परिवार' से ब्रेक ले रही हैं। अपने आखिरी वीडियो में अर्चना और उनके परिवार ने इस बात की जानकारी फैंस के साथ साझा की है। अर्चना पूरन सिंह का परिवार अक्सर अपने यूट्यूब वीडियो के जरिए अपने फैंस के साथ संपर्क में रहता है। मगर अब वो कुछ दिनों के लिए अपने चैनल 'आप का परिवार' से ब्रेक ले रहे हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में इस खबर को अपने फैंस के साथ साझा किया। साथ ही यह भी बताया कि वो जल्द ही कुछ नया लेकर आएंगी।

अपने यूट्यूब चैनल से ब्रेक लेकर करेंगे कुछ नया

अर्चना पूरन सिंह और परमीत सेठी कई साल से दर्शकों का मनोरंजन करते आए हैं। 2024 के अंत में इन्होंने अपने बेटे आर्यमन सेठी के साथ मिलकर यूट्यूब चैनल शुरू किया था। इस चैनल को दर्शकों ने काफी प्यार दिया। इसके बाद चैनल मिलियन फॉलोअर्स हिट कर गया था। मगर अब सेठी परिवार ने इससे ब्रेक लेने का फैसला किया है। अर्चना ने अपने फैंस को बताया कि वो अब इस चैनल पर वीडियो पोस्ट नहीं करेंगी।

अर्चना ने बताया कहां देख सकेंगे फैंस

बीते मंगलवार अर्चना ने अपने वीडियो में कहा कि ' यह कोई दुखद खबर नहीं है, मगर हमें ऐसा लगता है कि इसे हमें अपने फैंस के साथ साझा करना चाहिए। हमने यूट्यूब चैनल को एक साल पहले शुरू किया था। मगर अब हम थोड़ा आराम करना चाहते हैं। कुछ हफ्तों के लिए हम इससे दूरी बना रहे हैं। उम्मीद है कि जब हम वापस आएंगे तो आप सब हमारे साथ वैसे ही फिर से जुड़ जाएंगे।' साथ ही अर्चना ने कहा कि फैंस उनके वीडियो अब उनके बेटे आर्यमन के चैनल पर देखे सकेंगे।

कराबाओ कप: मैनचेस्टर सिटी ने आर्सेनल को हराकर दो साल बाद जीता पहला खिताब

एजेंसी

लंदन : कराबाओ कप के फाइनल में मैनचेस्टर सिटी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को आर्सेनल को 2-0 से हराकर दो साल बाद खिताब अपने नाम किया। वेम्बली मैदान पर खेले गए इस मुकाबले में निको ओह्लरेली ने दूसरे हाफ में दो गोल कर टीम को जीत दिलाई। प्रीमियर लीग में शीर्ष पर चल रही आर्सेनल इस मुकाबले में मजबूत दावेदार मानी जा रही थी, लेकिन सिटी के सामने वह पूरी तरह फीकी साबित हुई। इस जीत के साथ सिटी ने इस प्रतियोगिता का नौवीं बार खिताब जीता। टीम के मुख्य प्रशिक्षक पेप गार्डियोला के लिए यह जीत बेहद खास रही। उनके मार्गदर्शन में टीम ने पांचवीं बार यह खिताब जीता और वह इस प्रतियोगिता के इतिहास में सबसे सफल प्रशिक्षक बन गए। उन्होंने जोस मोरिन्हो, एलेक्स फर्ग्यूसन और ब्रायन क्लफ के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। पहले हाफ में मुकाबला बराबरी का रहा और कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। दूसरे हाफ में सिटी ने खेल की रफ्तार बढ़ाई और 60वें मिनट में आर्सेनल के गोलकीपर केपा अरिजाबालागा की गलती का फायदा उठाते हुए ओह्लरेली ने पहला गोल दागा। इसके चार मिनट बाद सिटी ने बढ़त दोगुनी कर दी। दाईं ओर से बने शानदार मूव पर मैथियस नुनेस के सटीक पास को ओह्लरेली ने हेडर के जरिए गोल में बदल दिया। आर्सेनल के खिलाड़ियों में निराशा साफ दिखी। बेन व्हाइट को विरोधी खिलाड़ी पर फाउल करने के कारण पीला कार्ड भी मिला। अंत में आर्सेनल ने वापसी की कोशिश की, लेकिन गैब्रियल का शॉट क्रॉसबार से टकरा गया। मैच के बाद बर्नार्डो सिल्वा ने ट्रॉफी उठाई, जबकि आर्सेनल के अधिकांश समर्थक मैदान छोड़ चुके थे। सिटी के प्रशंसकों ने जीत का जमकर जश्न मनाया। गौरतलब है कि सिटी पिछले वर्ष कोई खिताब नहीं जीत सकी थी, लेकिन इस जीत से उसने दिखा दिया कि वह अब भी खिताब की मजबूत दावेदार है।

किंग में शाहरुख संग

काम करने के लिए उत्सुक सौरभ शुक्ला, बोले- वे कमाल के इंसान हैं

मुंबई एक्टर सौरभ शुक्ला ने सुपरस्टार शाहरुख खान की करियर जर्नी और उनकी शानदार पर्सनैलिटी की जमकर तारीफ की है। 'बादशाह' और 'हे राम' जैसी फिल्मों में शाहरुख के साथ काम कर चुके सौरभ अपकमिंग फिल्म 'किंग' में नजर आएंगे, जिसे लेकर वह उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि शाहरुख की जर्नी शानदार और दूसरों के लिए प्रेरणा है। सौरभ शुक्ला ने बताया, 'शाहरुख की जर्नी शानदार है। इतने सालों से वह इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं और जिस तरह से उन्होंने अपना करियर बनाया है, उस पोजीशन पर पहुंचे हैं, वह वाकई प्रेरणा देता है।' उन्होंने शाहरुख के व्यक्तित्व को लेकर कहा, 'एक इंसान के तौर पर वह हमेशा से बहुत चार्मिंग रहे हैं। आप उनसे मिलते हैं तो बस बात खत्म नहीं करना चाहते। वह अपने काम से प्रभावित करते हैं और बातचीत के दौरान आपको बहुत महत्व और खास महसूस कराते हैं। सौरभ ने आगे बताया, 'शाहरुख में लोगों से जुड़ने की खास काबिलियत है। बात करते वक्त ऐसा लगता है कि इस बातचीत में मेरी भी जरूरत है। यही अपनापन उन्हें सच में कमाल का बनाता है। वह बहुत कमाल के हैं।' 'किंग' एक्शन-ड्रामा फिल्म है, जिसमें शाहरुख खान जबरदस्त एक्शन करते नजर आएंगे। फिल्म में शाहरुख खान, सौरभ शुक्ला के साथ अभिषेक बच्चन, दीपिका पादुकोण, शाहरुख की बेटी सुहाना खान और जयदीप अहलावत भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। मेकर्स ने इसी साल जनवरी में 'किंग' की झलक दिखाते हुए प्रोमो जारी किया था, प्रोमो में शाहरुख खान जबरदस्त एक्शन करते नजर आए।

मियामी ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर, वर्ल्ड नंबर-1 अल्कराज तीसरे दौर से बाहर

मियामी : मियामी ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जहां विश्व नंबर-1 कार्लोस अल्कराज को रविवार को तीसरे दौर में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें अमेरिका के सेबेस्टियन कोर्डा ने कड़े मुकाबले में तीन सेटों में हराकर बाहर कर दिया। 22 वर्षीय अल्कराज, जिन्होंने इसी साल जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया था, इस सीजन में अब तक 17-2 के रिकॉर्ड पर पहुंच गए हैं। इससे पहले वह पिछले सप्ताह इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में डेनियल मेदवेदेव से हार चुके थे। मुकाबले में कोर्डा ने दूसरे सेट में 5-4 पर मैच सर्व करने का मौका बनाया था, लेकिन अल्कराज ने शानदार वापसी करते हुए लगातार पांच गेम जीत लिए। हालांकि, 25 वर्षीय कोर्डा ने तीसरे सेट में खुद को संभालते हुए 6-3, 5-7, 6-4 से जीत दर्ज की। मैच के बाद अल्कराज ने कहा, ह्लयह एक कठिन मुकाबला था। कोर्डा ने शानदार खेल दिखाया और अहम मौकों पर मुझसे बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं कोर्डा ने अपनी जीत पर कहा, ह्लआज के मैच में सबसे अहम चीज आत्मविश्वास थी। मैंने हर शॉट पर भरोसा रखा और अंत में सफलता मिली। एटीपी टूर के अनुसार, विश्व रैंकिंग में 36वें स्थान पर मौजूद कोर्डा, अल्कराज को हराने वाले सबसे कम रैंक वाले खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले यह कारनामा पिछले साल डेविड गोफिन ने किया था।अब कोर्डा का अगला मुकाबला क्वालीफायर मार्टिन लैंडालूस से होगा, जिन्होंने करेन खाचानोव को हराकर अगले दौर में जगह बनाई।अन्य मुकाबलों में अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज और टॉमी पॉल भी चौथे दौर में पहुंच गए हैं। इसके अलावा जीरी लेहेका, वैलेंटिन वाचेरोट और टॉमस मार्टिन एचेवेरी ने भी अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले चरण में प्रवेश किया।

निकिता दत्ता ने ऋषिकेश में ट्रेकिंग के लिए परिवार के साथ जाने की दी सलाह

'ज्वेल थीफ' और 'कबीर सिंह' जैसी फिल्मों में काम कर मनोरंजन जगत में अपनी अलग पहचान बना चुकी अभिनेत्री निकिता दत्ता हाल ही में उत्तराखंड के ऋषिकेश में एक रोमांचक ट्रेकिंग ट्रिप पर गई थीं। वहां पर उन्होंने ट्रेकिंग और खूबसूरत वादियों का जमकर आनंद लिया। अभिनेत्री ने अपने वेकेशन की कुछ झलक सोशल मीडिया पर शेयर की। वीडियो में वे ऋषिकेश के मनमोहक नजारों में ट्रेकिंग करती नजर आ रही हैं। निकिता ने आरामदायक ट्रेकिंग कपड़े पहने हैं। वे शांत और रिलैक्स अंदाज में पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता को एक्सप्लोर करती हुई और बीच-बीच में आराम भी करती नजर आईं। वहीं, पोस्ट में उन्होंने सभी से परिवार के साथ ट्रेकिंग करने की सलाह दी, ताकि माता-पिता या घरवाले चिंता न करें और सब मिलकर मजा ले सकें। उन्होंने लिखा, 'प्रो टिपः जब आप एडवेंचर करना चाहें तो घरवालों को परेशान न करने का एक ही तरीका है। उन्हें साथ ले जाएं। अगर आप ऋषिकेश में हैं तो सिंगटाली हाइक जरूर करें, मैं इसकी सराहना करती हूं। बता दें कि भले ही आज के समय में निकिता सिनेमा में सक्रिय हैं, लेकिन उन्होंने करियर की शुरुआत टेलीविजन इंडस्ट्री से की थी। उन्होंने साल 2014 में 'लेकर हम दीवाना दिल' फिल्म से डेब्यू किया। टीवी की दुनिया में उन्होंने 2015 में 'ड्रीम गर्ल' से शुरुआत की और 2016 में 'एक दूजे के वास्ते' से पहचान बनाई। बाद में उन्होंने 'गोल्ड' (2018), 'कबीर सिंह' (2019), 'द बिग बुल', और 'डिब्बुक' (2021) जैसी फिल्मों में काम किया। वह वेब सीरीज 'खाकी : द बिहार चैप्टर' (2022) में भी नजर आईं। निकिता दत्ता मराठी फिल्मों में भी सक्रिय हैं। उन्होंने हाल ही में 'घरत गणपति' में शानदार काम किया था, जिसके लिए उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड भी मिला था।

न्यूजीलैंड में नई टी20 प्रतियोगिता एनजेड 20 को मिली मंजूरी

सुपर स्मैश की जगह हो सकता है आयोजन

एजेंसी

वेलिंगटन : न्यूजीलैंड क्रिकेट ने प्रस्तावित नई टी20 प्रतियोगिता ह्यएनजेड20ह्ल को देश की प्रमुख घरेलू टी20 प्रतियोगिता बनाने की दिशा में प्रारंभिक मंजूरी दे दी है। इस निर्णय के बाद बोर्ड अब प्रतियोगिता के संचालन, अधिकार वितरण और व्यावसायिक व्यवस्था जैसे पहलुओं पर काम करेगा।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, यह कदम देश की घरेलू टी20 व्यवस्था को नया रूप देने के उद्देश्य से उठाया गया है। इसके लागू होने पर वर्तमान सुपर स्मैश प्रतियोगिता की जगह एनजेड20 ले सकती है। सुपर स्मैश की शुरूआत पुरुष वर्ग में 2005-06 और महिला वर्ग में 2007-08 में हुई थी। नई प्रतियोगिता के साथ न्यूजीलैंड क्रिकेट मौजूदा संघ-आधारित प्रणाली से हटकर टीम-आधारित व्यवस्था अपनाएगा, जैसा कि दुनिया के कई देशों में प्रचलित है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड की अध्यक्ष डायना पुकेटापु-लिंडन ने सोमवार को बताया कि बोर्ड के सामने ह्यएनजेड20ह्ल को स्वतंत्र रूप से आयोजित करने या ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश प्रतियोगिता से जोड़ने का विकल्प था, लेकिन विस्तृत चर्चा के बाद स्वतंत्र प्रतियोगिता को ही उचित माना गया। उन्होंने कहा, ह्लबोर्ड ने सभी प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार किया और यह निष्कर्ष निकाला कि 21 वर्ष पुरानी सुपर स्मैश प्रतियोगिता को नए रूप में प्रस्तुत करने का यही सही समय है। इसके लिए व्यापक परामर्श और डेलॉइट की रिपोर्ट सहित कई पहलुओं का अध्ययन किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि अगला चरण ह्यएनजेड20ह्ल के साथ शर्तों को अंतिम रूप देना और सदस्यों का समर्थन प्राप्त करना होगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने यह भी स्पष्ट किया कि नई प्रतियोगिता में महिला क्रिकेट को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि महिला टी20 प्रतियोगिता को समान महत्व और व्यापक पहचान मिल सके।

इसके साथ ही क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व को बनाए रखने पर भी जोर दिया जाएगा, जिससे देशभर के दर्शक अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को करीब से देख सकें। टीमों के स्वामित्व और हिस्सेदारी से जुड़े मुद्दों पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

2027 की बिसात पर भाजपा का समरसता कार्ड
जिला कार्यकारिणी से हर वर्ग को साधने की कोशिश

- युवा, महिला, अगड़े, पिछड़े, दलित और स्थानीय प्रभाव वाले चेहरों को मिली जगह
- बूथ से समाज तक संगठन की नई दीवार, विपक्ष के सामाजिक नैरेटिव को चुनौती

एजेंसी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 भले ही अभी दूर हो, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उसकी सामाजिक और संगठनात्मक बिसात बिछानी शुरू कर दी है। जिला कार्यकारिणी समितियों की नई सूची के जरिए पार्टी ने साफ कर दिया है कि इस बार चुनावी तैयारी केवल नारों, चेहरों और सरकारी कामकाज के भरोसे नहीं होगी, बल्कि समाज के हर प्रभावी तबके को संगठन में हिस्सेदारी देकर की जाएगी।

महिलाओं, युवाओं, अगड़े, पिछड़े, अनुसूचित जाति, स्थानीय प्रभाव वाले कार्यकताओं और पारंपरिक संगठन चेहरों को साथ लेकर भाजपा ने एक तीर से कई निशाने साधने की कोशिश की है। प्रदेश भर

की नई जिला कार्यकारिणी को राजनीतिक हलकों में 2027 से पहले भाजपा के ह्यसमरसता कार्डह्ल के रूप में देखा जा रहा है। इसके जरिए पार्टी न केवल अपना सामाजिक आधार मजबूत करना चाहती है, बल्कि विपक्ष खासकर पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के सामाजिक न्याय वाले नैरेटिव को संगठन स्तर पर जवाब देने की तैयारी में है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने जिला स्तर पर नई टीम तैयार करते समय जातीय, सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन को प्राथमिकता दी। कार्यकारिणी में युवाओं, महिलाओं, पिछड़े वर्ग, अनुसूचित जाति और पारंपरिक कार्यकताओं को शामिल कर यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि पार्टी 2027 के चुनाव में सबका साथ-सबका विकास के साथ कोसबका प्रतिनिधित्व भी सुनिश्चित करना चाहती है। भाजपा के लिए यह समय बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि 2027 विधानसभा चुनाव से पहले संगठन, सरकार और सामाजिक समीकरण तीनों को एक लय में लाना उसकी प्राथमिकता बन चुका है। पार्टी अब सामाजिक संवेदनशीलता और प्रबंधन क्षमता पर भी फोकस कर रही है। चार बड़े संगठनात्मक क्षेत्र काशी, गोरखपुर, अवध और कानपुर के कुल 60 जिलों में करीब 20-20 पदाधिकारियों की सूची जारी की गई है। पहले चरण में पश्चिम और ब्रज क्षेत्र की टीमें गठित करने के बाद अब पूर्वांचल और मध्य यूपी पर फोकस किया गया। माना जा रहा है कि प्रदेश का सामाजिक समीकरण 2027 की सत्ता की चाबी तय करेगा। इस बार जिला कार्यकारिणी गठन की प्रक्रिया की सबसे खास बात यह रही कि पहली बार प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश संगठन महामंत्री की निगरानी में जिला पर्यवेक्षक, जिला प्रभारी और जिलाध्यक्ष की संयुक्त भागीदारी के साथ नामों को अंतिम रूप देने की कवायद हुई। इसे भाजपा के भीतर केवल तकनीकी प्रक्रिया नहीं, बल्कि नए संगठनात्मक मॉडल के रूप में देखा जा रहा है।

युवा कार्यकारिणी के जरिए नई पीढ़ी पर दांव

भाजपा की नई जिला कार्यकारिणी का सबसे धारदार पहलू युवाओं पर फोकस है। 25 से 45 वर्ष आयु वर्ग के कार्यकताओं को तवज्जो देकर पार्टी ने साफ संकेत दिया है कि 2027 के चुनाव में नई पीढ़ी को सिर्फ दर्शक नहीं, बल्कि संगठन की अगली कतार में खड़ा किया जाएगा। भाजपा यह अच्छी तरह समझ रही है कि उत्तर प्रदेश की चुनावी तस्वीर में युवा मतदाता निर्णायक भूमिका निभाने वाले हैं। ऐसे में संगठन को भी युवा ऊर्जा, तेज संवाद क्षमता, जमीन पर पकड़ और राजनीतिक आक्रामकता से लैस करना उसकी मजबूरी भी है और रणनीति भी। यह पीढ़ी परिवर्तन भर नहीं, बल्कि चुनावी मशीनरी को नए सामाजिक मूड के मुताबिक ढालने की कोशिश है। महिला भागीदारी से भरोसे का वोट बैंक साधने की कवायद नई कार्यकारिणी में महिलाओं को पर्याप्त स्थान देकर भाजपा ने यह भी जताया है कि वह महिला मतदाताओं को अब केवल लाभार्थी समूह के रूप में नहीं, बल्कि राजनीतिक भागीदार के रूप में देख रही है। पिछले कुछ वर्षों में महिला मतदाता उत्तर प्रदेश की राजनीति में निर्णायक शक्ति बनकर उभरी हैं। भाजपा इस बदलाव को संगठन में उतारना चाहती है। इसलिए महिला भागीदारी को प्रतीकात्मक न रखकर प्रभावी रूप देने की कोशिश की गई है। इसका सीधा मतलब है कि पार्टी महिलाओं के बीच सामाजिक भरोसा, राजनीतिक स्वीकार्यता और दीर्घकालिक जुड़ाव—तीनों को एक साथ मजबूत करना चाहती है।

मुख्यमंत्री सरमा ने कहा हीरेन गोहाई कांग्रेस समर्थक, भाजपा में असंतोष से किया इनकार

एजेंसी

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा प्रख्यात बुद्धिजीवी डॉ. हिरेन गोहाईं पर तीखा हमला करते हुए उन्हें स्पष्ट रूप से ह्लकांग्रेसीह्ल बताया। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही गोहाईं लगातार उनका विरोध करते आ रहे हैं। बाजपेयी भवन में भाजपा की महत्वपूर्ण बैठक के बाद बीती रात मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ह्यसम्मिलित नागरिक मंचह्ल को ह्यसम्मिलित कांग्रेस मंचह्ल के रूप में नामित किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि यह मंच परोक्ष रूप से कांग्रेस के समर्थन में काम कर रहा है। मुख्यमंत्री ने शिवसागर के राजनीतिक परिदृश्य पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि वहां की जनता सत्तारूढ़ दल के एक प्रतिनिधि की अपेक्षा कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा

शिवसागर में उम्मीदवार उतारेगी या नहीं, इस पर सहयोगी दल असम गण परिषद (अगप) के साथ बातचीत के बाद निर्णय लिया जाएगा।

भाजपा के भीतर असंतोष की खबरों को खारिज करते हुए सरमा ने कहा कि एक-दो व्यक्तियों को छोड़कर पार्टी में कोई खास असंतोष नहीं है। उन्होंने बताया कि अमिय भुइयां को भाजपा की राज्य समिति का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।मीडिया में चल रही खबरों का खंडन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि निहार रंजन दास समेत अन्य नेताओं में किसी प्रकार की नाराजगी नहीं है और चुनाव से पहले भाजपा पूरी तरह एकजुट है।

हिमाचल में फिर बदलेगा मौसम, पहाड़ों पर बर्फबारी के आसार, आंधी और बिजली गिरने का अलर्ट

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश में कुछ दिनों की राहत के बाद एक बार फिर मौसम करवट लेने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में राज्य के कई हिस्सों में मौसम खराब रह सकता है। खासकर ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी और निचले क्षेत्रों में बारिश होने की संभावना जताई गई है। इसके साथ ही कुछ स्थानों पर तेज आंधी और बिजली गिरने का भी येलो अलर्ट जारी किया गया है, जिससे लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक आज प्रदेश के कुछ स्थानों पर 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं और गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। इसी तरह 26 मार्च को भी कुछ इलाकों में आंधी और बिजली गिरने की आशंका जताई गई है। विभाग का कहना है कि 29 मार्च तक राज्य के कई हिस्सों में बादल छाए रह सकते हैं और बीच-बीच में वर्षा का दौर जारी रह सकता

है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में इस दौरान हल्की बर्फबारी भी देखने को मिल सकती है। मौसम विभाग के अनुसार मार्च महीने में इस बार मौसम के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। महीने के पहले पखवाड़े में लंबे समय तक मौसम शुष्क रहने के कारण तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया था और कई स्थानों पर मई जैसी गर्मी महसूस की गई। इसके बाद 18 मार्च से मौसम में अचानक बदलाव आया और पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी तथा निचले क्षेत्रों में बारिश का दौर शुरू हुआ। इस बदलाव के कारण प्रदेश में ठंडक लौट आई और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि पिछले दो दिनों से राजधानी शिमला सहित राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ बना हुआ है और धूप खिली हुई है। इसके बावजूद विभाग ने आने वाले दिनों में फिर से मौसम खराब रहने की संभावना जताई है। मौसम विभाग का कहना है कि उत्तर-पश्चिम भारत की ओर एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है, जिसके प्रभाव से हिमाचल प्रदेश में मौसम फिर बदल सकता है। इस बीच प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में तापमान के आंकड़ों पर नजर डालें तो शिमला में आज न्यूनतम तापमान 8.2 डिग्री सेल्सियस, सुंदरनगर में 11.5 डिग्री, भुंतर में 9.6 डिग्री, कल्पा में 2.6 डिग्री, धर्मशाला में 8.9 डिग्री, ऊना में 12.4 डिग्री, नाहन में 9.5 डिग्री, पालमपुर में 10.0 डिग्री, ताबो में माइनस 0.4 डिग्री और नेरी में 15.1 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया है।

सड़क हादसे में दादा-पोते की मौत, परिवार के पांच सदस्य घायल

एजेंसी

टोंक : जिले के अलीगढ़ थाना क्षेत्र के पचाला गांव के एक ही परिवार पर उस वक्त दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, जब दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर हुए एक भीषण सड़क हादसे में दादा और पोते की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि परिवार के पांच अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, पचाला निवासी धारा सिंह मीणा अपने परिवार के साथ बूंदी जिले के लाखेरी कस्बे के पास डडवाड़ा गांव में एक रिश्तेदार की शादी में

भात लेकर गए थे। शादी समारोह संपन्न होने के बाद देर रात वे अपने परिवार के कुल आठ सदस्यों के साथ एर्टिगा कार से वापस गांव लौट रहे थे। देर रात करीब दो बजे जब उनकी कार सवाई माधोपुर जिले के रवाजना डूंगर थाना क्षेत्र से गुजर रहे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर पहुंची, तभी अचानक कार अनियंत्रित हो गई। तेज रफ्तार में चल रही कार सड़क किनारे पड़े मिट्टी के ढेर से टकरा गई और पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही 60 वर्षीय रामफूल मीणा और उनके 16 वर्षीय पौत्र आकाश की मौत हो गई। हादसे में कार सवार अन्य पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में चालक धारा सिंह मीणा (40) की पत्नी कमलेश (35) और उनके रिश्तेदार रामफूल (70) की हालत नाजुक बताई जा रही है। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जयपुर रेफर कर दिया गया। वहीं धारा सिंह की बेटियां पायल (18) और पलक (14) तथा बेटा अजय (11) भी घायल हुए हैं, जिनका इलाज सवाई माधोपुर अस्पताल में जारी है। गौरतलब है कि हादसे के दौरान कार के एयरबैग खुलने से चालक धारा सिंह मीणा की जान बच गई, अन्यथा हादसा और भी गंभीर हो सकता था। अलीगढ़ थाने के एएसआई बाबूलाल के अनुसार मृतक और घायल सभी एक ही परिवार के पचाला गांव निवासी हैं, लेकिन घटना स्थल सवाई माधोपुर जिले के रवाजना डूंगर थाना क्षेत्र में होने के कारण मामले की जांच और कार्रवाई वहीं की पुलिस द्वारा की जा रही है। हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

आसनसोल से सहरसा फारबिसगंज के लिए डायरेक्ट ट्रेन की मांग तेज

एजेंसी

आसनसोल : आसनसोल के कोयलांचल एवं शिल्पांचल क्षेत्र में रहने वाले बिहार मूल के लाखों लोगों ने एक बार फिर से आसनसोल से सहरसा फारबिसगंज के लिए सीधी रेल सेवा शुरू करने की मांग उठाई है। रविवार शाम आसनसोल चेंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव शंभू नाथ झा ने उक्त विषय को लेकर सांसद को पत्र दिया। शंभू नाथ झा का कहना है कि आसनसोल, रानीगंज, कुल्टी और आसपास के औद्योगिक इलाकों में बिहार के सहरसा, सुपौल और फारबिसगंज क्षेत्र से आए लाखों लोग वर्षों से रह रहे हैं। इसके बावजूद इस इलाके से सहरसा के लिए अब तक कोई भी सीधी ट्रेन सेवा उपलब्ध नहीं है, जिससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

रेल मंत्रालय द्वारा दरभंगा के लिए कई ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है, लेकिन सहरसा को इस सुविधा से वंचित रखा गया है। यात्रियों को सहरसा या फारबिसगंज जाने के लिए कई बार ट्रेन बदलनी पड़ती है, जिससे समय और धन दोनों की बबार्दी होती है।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर जबरदस्त दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली : सप्ताह के पहले दिन ही घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान बड़ी गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही मार्केट में बने निगेटिव सेंटीमेंट्स की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की कमजोरी और बढ़ गई। हालांकि थोड़ी देर बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की भी कोशिश की, लेकिन उनकी इस कोशिश से भी बाजार पर ज्यादा असर नहीं पड़ सका। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 2.22 प्रतिशत और निफ्टी 2.25 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। आज प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से

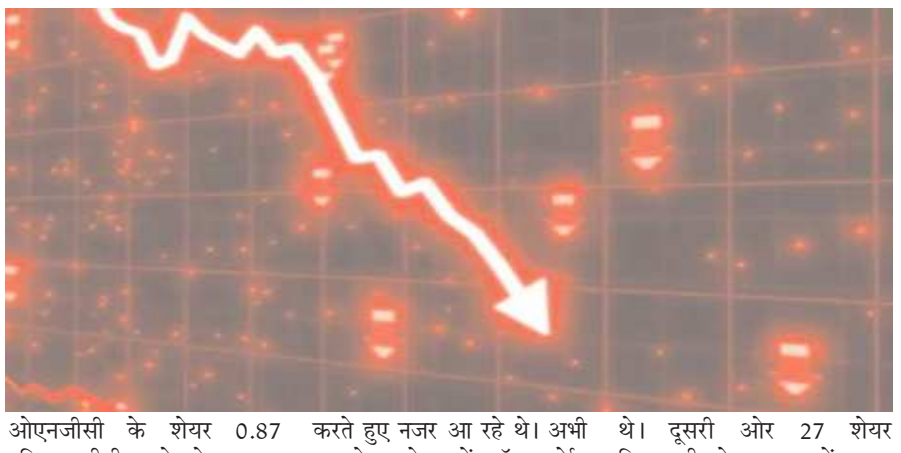

ओएनजीसी के शेयर 0.87 प्रतिशत, टीसीएस के शेयर 0.18 प्रतिशत और एचसीएल टेक्नोलॉजी के शेयर 0.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, टाटा स्टील, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, श्रीराम फाइनेंस, जेएसडब्ल्यू स्टील और एचडीएफसी लाइफ के शेयर 4.18 प्रतिशत से लेकर 2.85 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,781 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 240 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,541 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से तीन शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 27 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से तीन शेयर हरे निशान में और 47 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 800.38 अंक की कमजोरी के साथ 73,732.58 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत में ही यह सूचकांक 1,555.62 अंक की गिरावट के साथ 72,977.34 अंक के स्तर तक आ गया। इस जोरदार गिरावट के बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे सेंसेक्स की स्थिति में सुधार होता हुआ नजर आने लगा। हालांकि ये खरीदारी अधिक देर तक नहीं टिक सकी। पहले बीस मिनट के कारोबार के बाद ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से ये सूचकांक दोबारा लुढ़कने लगा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1,653.28 अंक टूट कर 72,879.68 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 290.15 अंक लुढ़क कर 22,824.35 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही निगेटिव सेंटीमेंट्स के कारण यह सूचकांक 22,634.55 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि खरीदारों ने बीच-बीच में लिवाली का जोर बनाने की कोशिश भी की, जिससे निफ्टी की स्थिति में मामूली सुधार भी हुआ और पहले बीस मिनट में ही ये सूचकांक 22,741.35 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद बाजार में एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण इस सूचकांक की कमजोरी दोबार बढ़ने लगी। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 519.05 अंक की गिरावट के साथ 22,595.45 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 325.70 अंक यानी 0.44 प्रतिशत की मजबूती के साथ 74,532.96 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 112.35 अंक यानी 0.49 प्रतिशत की उछाल के साथ 23,114.50 अंक के स्तर पर शुक्रवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी गौ तस्कर आरिफ घायल

जौनपुर : यूपी के जौनपुर में अपराध नियंत्रण के तहत चलाए जा रहे अभियान में मीरगंज और मछलीशहर पुलिस की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता मिली है। रविवार देर रात हुई मुठभेड़ में 25 हजार रुपये के इनामी गौ तस्कर आरिफ को गिरफ्तार कर लिया गया। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल हो गया। उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछलीशहर में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। उसके पास से तमंचा कारतूस और एक बाइक बरामद की है।घटना रविवार देर रात की है, जब मीरगंज थानाध्यक्ष और जंघई चौकी इंचार्ज अपनी टीम के साथ गोधना बाजार में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि बंधवा बाजार से जंघई की ओर दो संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार भाग रहे हैं, जिनका पीछा मछलीशहर पुलिस कर रही है।सूचना मिलते ही मीरगंज पुलिस ने तत्काल घेराबंदी की। ग्राम सभा चौकी खुर्द के अंतर्गत कम्पोजिट विद्यालय के पास चिताव-भटेवरा मार्ग पर पुलिस ने दोनों बदमाशों को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें आरिफ (32) पुत्र मैनुद्दीन निवासी लमहन, थाना महाराजगंज के पैर में गोली लग गई। जबकि उसका एक साथी मौके से फरार हो गया।पुलिस ने घायल आरिफ के पास से एक तमंचा, कारतूस और एक बाइक बरामद की है। आरिफ मीरगंज थाने में पिकअप चोरी, गौ तस्करी सहित करीब 20 आपराधिक मामलों में वांछित था और उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था।क्षेत्राधिकारी मछलीशहर प्रतिमा वर्मा ने बताया कि आरिफ 2 जनवरी को उप निरीक्षक पारसनाथ यादव के साथ हुई मारपीट की घटना में भी वांछित था। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

कश्मीरियों ने युद्धग्रस्त ईरान के लिए किया चंदा एकट्ठा

श्रीनगर : कश्मीर के कुछ इलाकों में लोगों ने युद्धग्रस्त ईरान के राहत कोष के लिए नकद, सोना और तांबे के बर्तन सहित कई चीजें दान कीं। दान के लिए आभार व्यक्त करते हुए ईरानी दूतावास ने एक पोस्ट में कहा कि दयालुता के इस कार्य को रकभी नहीं भुलाया जाएगा। ईद के जश्न के एक दिन बाद घाटी के शिया बहुल इलाकों के युवाओं ने ईरान में पश्चिम एशिया युद्ध से प्रभावित लोगों के लिए घर-घर जाकर चंदा इकट्ठा किया। दान अभियान के दौरान रैनावारी निवासी एजाज अहमद ने कहा कि इजराइल की जायोनी सरकार और उसके समर्थकों द्वारा ईरान पर थोपे गए इस अवैध युद्ध से भारी तबाही हुई है। सभ्य दुनिया कम से कम इतना तो कर ही सकती है कि ईरान के पीड़ित लोगों को सहायता भेजे। अधिकारियों ने बताया कि इस दान अभियान में पुरुषों, महिलाओं और बच्चों सहित समाज के सभी वर्गों के लोगों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि विशेष रूप से महिलाओं ने आगे आकर उदारतापूर्वक सोने के आभूषण, तांबे के बर्तन और अन्य मूल्यवान घरेलू सामान दान किए हैं। कुछ परिवारों ने पशुधन भी दान किया है। अधिकारियों के अनुसार बच्चों ने भी अपनी बचत और जेब खर्च दान करके अपना योगदान दिया है। दान विशेष रूप से बडगाम और बारामूला में एकत्र किए गए हैं जहां शिया आबादी काफी अधिक है। उन्होंने आगे बताया कि एकत्रित दान को ईरानी दूतावास सहित आधिकारिक राहत संगठनों के माध्यम से जरूरतमंदों तक पहुंचाया जाएगा। दान की तस्वीरें साझा करते हुए ईरानी दूतावास ने एक पोस्ट में कहा कि कृतज्ञता से भरे हृदय से हम कश्मीर के दयालु लोगों का तहे दिल से आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने मानवीय सहायता और हार्दिक एकजुटता के माध्यम से ईरान के लोगों का साथ दिया; इस दयालुता को कभी नहीं भुलाया जा सकता। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा, रहम आपकी दयालुता और मानवता को कभी नहीं भूलेंगे। धन्यवाद, भारत।

सोना और चांदी की कीमत में मामूली गिरावट

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। आज सोमवार के दिन कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,45,960 रुपये से लेकर 1,46,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,33,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,33,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सराफा बाजार में 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,46,110 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,45,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,46,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।
इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,45,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,33,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,45,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,33,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,46,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,33,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,33,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,46,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,45,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,33,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

बंगाल में अवैध राजनीतिक विज्ञापनों पर चुनाव आयोग की बड़ी कार्रवाई, तीन लाख से अधिक पोस्टर-बैनर हटाए

कोलकाता : आगामी विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में अवैध राजनीतिक विज्ञापनों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाते हुए सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। आयोग की ओर से रविवार रात जारी बयान में बताया गया कि राज्यभर में अब तक कुल तीन लाख 58 हजार 986 अनधिकृत राजनीतिक पोस्टर, बैनर और होर्डिंग हटाए जा चुके हैं, जो चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के दायरे में आते थे। आयोग के अनुसार इनमें से अधिकांश मामले सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने से जुड़े हैं। कुल तीन लाख 11 हजार 829 विज्ञापन सरकारी दीवारों, सड़कों और अन्य सार्वजनिक स्थलों से हटाए गए, जबकि 19 हजार 901 मामले निजी संपत्तियों पर बिना अनुमति लगाए गए राजनीतिक प्रचार से संबंधित थे। आयोग ने स्पष्ट किया है कि निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। जिलों के आंकड़ों पर नजर डालें तो उत्तर बंगाल के कूचबिहार जिले में सबसे अधिक 33 हजार 491 अवैध विज्ञापन हटाए गए। इनमें 29 हजार 474 सार्वजनिक संपत्तियों और चार हजार 17 निजी संपत्तियों से जुड़े थे। इसके बाद उत्तर 24 परगना जिले का स्थान रहा, जहां कुल 31 हजार 920 विज्ञापन हटाए गए। इनमें से 31 हजार 789 सार्वजनिक और 105 निजी संपत्तियों से संबंधित थे। दूसरी ओर कालिम्पोंग जिले में सबसे कम 593 विज्ञापन हटाए गए और ये सभी सार्वजनिक संपत्तियों से जुड़े थे। इसी बीच आयोग ने बताया है कि ह्ललॉजिकल डिस्क्रेपेंसीह्ल श्रेणी के अंतर्गत न्यायिक जांच के लिए भेजे गए मामलों की पहली पूरक सूची सोमवार को जारी की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार सूची जारी होने के बाद किसी भी संभावित कानून-व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है।
इसी क्रम में कोलकाता पुलिस आयुक्त अजय नंद ने भी चुनाव तैयारियों का जायजा लेते हुए स्पष्ट संदेश दिया है कि मतदान के दौरान बूथ जाम करने, फर्जी मतदान कराने या बूथ कब्जाने जैसी किसी भी गड़बड़ी को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने दक्षिणी कोलकाता के भांगर थाने का निरीक्षण करने के बाद पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक में चुनाव आयोग के निर्देशों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया।
उल्लेखनीय है कि राज्य में विधानसभा चुनाव दो चरणों में कराए जाएंगे। पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को 152 सीटों पर होगा, जबकि दूसरे चरण में 29 अप्रैल को शेष 142 सीटों पर वोट डाले जाएंगे।

न्यूज IN ब्रीफ

बाल-राम की लीलाओं से भावविभोर हुई रामकथा, भक्तिरस में

मेदिनीनगर : फुलवारी प्रसंग और प्रभु के स्नेह का मनोहारी वर्णन देवी चन्द्रकला जी की रामकथा के चौथे दिवस का प्रवचन भक्ति,भाव और आध्यात्मिक रस से ओत-प्रोत रहा।देवी चंद्रकला रेड़मा ठाकुरबाड़ी मंदिर के प्रांगण में आयोजित श्री राम चरित मानस नवाह परायण यज्ञ के 59 वें अधिवेशन में मानस प्रवचन में प्रभु श्रीराम की बाल लीलाओं,धनुष भंग से पूर्व के फुलवारी प्रसंग तथा भक्तों के प्रति भगवान के अपार स्नेह का अत्यंत मनोहारी वर्णन किया। देवीजी ने कहा कि भगवान शिव और काकभुशुंडि जी दोनों के इष्ट बाल-राम हैं क्योंकि बालरूप में भगवान की सरलता,निष्कपटता और करुणा सहज ही हृदय को स्पर्श करती है।उन्होंने स्पष्ट किया कि सच्ची साधना बाहरी आडंबर में नहीं बल्कि अपने हृदय में भगवान का जीवंत चित्र स्थापित करने में है। सीता-राम के प्रथम मिलन से पूर्व के प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन करते हुए देवीजी ने कहा कि जीवन के वास्तविक सुख राघव जी की कृपा से प्राप्त होते हैं, जबकि दुःख हमारे अपने कर्मों का फल होता है।उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रेरित किया कि कथा को केवल सुनें नहीं बल्कि उसके भावों को अपने जीवन में उतारें और अंतर्मन में बसाएं। प्रवचन से पूर्व सामाजिक कार्यकर्ता नवीन तिवारी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती संगीता तिवारी,रेड़मा के वरिष्ठ समाजसेवी उमेश तिवारी तथा संदीप विश्वकर्मा ने सपत्नीक आरती कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर श्री रामचरितमानस यज्ञ समिति के संरक्षक विजय तिवारी,अजय तिवारी,अध्यक्ष रिंकू तिवारी, कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण तिवारी,मंत्री पिंकू तिवारी, कुणाल शांति प्रिय सहित अनेक पदाधिकारी और श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन अधिवक्ता यशवंत तिवारी ने किया।

पानी की समस्या से जूझ रहे बागबेड़ा वासियों ने किया प्रदर्शन

जमशेदपुर : जल संकट से जूझ रहे बागबेड़ा वासियों ने बाल्टी और जरकिन के साथ प्रदर्शन किया है। गांधीनगर व पोस्तोनगर के बीच की गलियों में किये गये प्रदर्शन में अधिकांश महिलाएं शामिल हुईं। इन सभी ने जल्द से जल्द जलापूर्ति की मांग उठाई है। बागबेड़ा वृहद ग्रामीण जलापूर्ति योजना करीब 10 वर्षों से निमार्णाधीन है। अनेक झंझावातों से गुजरे इस जलापूर्ति योजना के इस गर्मी के समाप्त होने तक पूरा होने का दिलासा पेयजल स्वच्छता विभाग के इंजीनियर दे रहे हैं।

स्टेशन के नए पार्किंग का काम जल्द करें खत्मः रेल जीएम

जमशेदपुर : टाटानगर स्टेशन विकास योजना से बन रहे नए पार्किंग का काम एजेंसी जल्द खत्म करें अन्यथा कार्रवाई होगी। दक्षिण पूर्व जोन के रेल महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा ने सोमवार को टाटानगर स्टेशन स्टेशन और पार्किंग स्थल निरीक्षण के दौरान यह आदेश दिया। बताया जाता है कि वाहनों की पार्किंग व्यवस्था नहीं होने से स्टेशन बिल्डिंग ल के कार्य में विलंब हो रहा है। रेल जीएम ने स्टेशन निर्माण कार्य से जुड़े एजेंसी के कर्मचारियों और अधिकारियों से बात कर अन्य जानकारी ली।

जूनियर डॉक्टरों ने काला बिल्ला लगाकर किया प्रदर्शन

जमशेदपुर : एमजीएम मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में जूनियर डॉक्टरों ने सोमवार को काला बिल्ला लगाकर विरोध दर्ज किया। यह डॉक्टर स्टाइपेंड में वृद्धि की मांग को लेकर कई बार मुख्यालय में अपनी बातें रख चुके हैं। बावजूद इसके अभी तक उसमें वृद्धि नहीं हुई है। इस वृद्धि के नहीं होने के विरोध में यह जूनियर डॉक्टर पूरे झारखंड के पांचो सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में प्रदर्शन किया जा रहा है।

शिक्षक बाबू छोटेलाल का हार्ट अटैक से निधन, शोक की लहर

पटमदा : बोड़ाम प्रखंड अंतर्गत दामोदरपुर उत्क्रमित मध्य विद्यालय के सहायक शिक्षक बाबू छोटेलाल का सोमवार सुबह करीब 7 बजे हृदयाघात से आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। करीब 59 वर्षीय बाबू छोटेलाल वर्ष 2004 में प्राथमिक शिक्षक के रूप में नियुक्त हुए थे। वे वर्तमान में जमशेदपुर के सीतारामडेरा थाना क्षेत्र में निवास करते थे, जबकि मूल रूप से बिहार के निवासी थे। उनके पिता टेल्को कंपनी में कार्यरत थे। दो भाइयों में वे छोटे थे। परिवार में उनकी पत्नी एवं दो नाबालिग पुत्र हैं, जिनमें एक 9वीं कक्षा और दूसरा 5वीं कक्षा का छात्र है।उनके असामयिक निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। दामोदरपुर उत्क्रमित मध्य विद्यालय से सेवानिवृत्त शिक्षक जगदीश प्रसाद मंडल ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि बाबू छोटेलाल उनके छोटे भाई के समान थे। उन्होंने बताया कि हाल ही में भूला गांव में आयोजित हरिनाम संकीर्तन के दौरान उनसे मुलाकात हुई थी, जहां उन्होंने हृदय संबंधी बीमारी के इलाज की जानकारी दी थी। पिछले लगभग एक वर्ष से वे दवाइयां ले रहे थे, लेकिन अचानक हुए इस निधन पर विश्वास करना कठिन है।

टाटानगर में रेल जीएम ने टेलीविजन ट्रेन सूचना पर प्रणाली का किया उद्घाटन

जमशेदपुर : दक्षिण पूर्व जोन के रेल महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा सोमवार को टाटानगर स्टेशन पहुंचे। रेल जीएम द्वारा टाटानगर स्टेशन पर बागबेड़ा लाल बिल्डिंग स्थित टेलीविजन आधारित ट्रेन सूचना मॉनिटर का उद्घाटन किया गया। जिससे यात्रियों को ट्रेनों की जानकारी मिलने के साथ सुरक्षित यात्रा के प्रति जागरूक किया जाएगा इसके साथ ही प्लेटफार्म पर ट्रेन का इंतजार कर रहे यात्रियों का मनोरंजन भी विभिन्न कार्यक्रम से होगा। एलईडी के उद्घाटन के दौरान चक्रधरपुर के डीआरएम तरुण हुरिया समेत रेलवे जोन और मंडल के दर्जनों अधिकारी मौजूद थे।

कुर्ला और शालीमार ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस अप्रैल में होगा रद्द

जमशेदपुर : शालीमार-कुर्ला एक्सप्रेस का परिचालन अप्रैल में 18 दिन (4 से 24 अप्रैल) और शालीमार-मुंबई ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस का परिचालन अप्रैल में 11 दिन (4 से 23 अप्रैल परिचाल शिड्यूल) के अनुसार अप-डाउन में रद्द होगा। दोनों ट्रेनों के रद्द होने से टाटानगर समेत चक्रधरपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों से पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़ व महाराष्ट्र मार्ग के सैकड़ों यात्रियों को आवागमन में दिक्कत होगी। सोशल मीडिया पर दोनों ट्रेनों के अप्रैल में रद्द होने का पोस्ट वायरल है।

बोकारो सखी महोत्सव में डीसी व एसपी ने लिया खेल का आनंद, बैलून शूटिंग से ताजा हुई बचपन की यादें

संवाददाता

बोकारो : जिला प्रशासन द्वारा आयोजित बोकारो सखी महोत्सव 2026 के दौरान रविवार को एक रोचक और आनंदपूर्ण दृश्य देखने को मिला, जब उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक (एसपी) हरविंदर सिंह ने मेले में लगे खेल स्टॉल पर निशाना लगाकर बैलून फोड़ने का आनंद लिया।
महोत्सव परिसर में भ्रमण के दौरान दोनों अधिकारियों ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया। इसी क्रम में वे खेल स्टॉल पर पहुंचे, जहां उन्होंने उत्साहपूर्वक एयर गन से निशाना साधते हुए बैलून शूटिंग में भाग लिया। उनके सटीक निशाने पर बैलून फूटते ही वहां मौजूद लोगों ने तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया।
इस दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हैं, बल्कि समाज के सभी वर्गों को एक मंच पर लाकर उत्सव और आनंद का माहौल भी तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के छोटे-छोटे खेल और गतिविधियां बचपन की यादों को ताजा कर देती हैं और लोगों को दैनिक जीवन की व्यस्तता से कुछ पल राहत प्रदान करती हैं।महोत्सव में पहुंचे आमजन ने भी इस दृश्य का भरपूर आनंद लिया और अधिकारियों के साथ इस यादगार पल को कैमरे में कैद किया।बोकारो सखी महोत्सव 2026 में महिलाओं के उत्पादों की प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ मनोरंजन के विभिन्न साधन भी उपलब्ध हैं, जो इसे एक संपूर्ण पारिवारिक महोत्सव बना रहे हैं।जिला प्रशासन ने आमजनों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस महोत्सव का आनंद लें तथा महिलाओं के उत्पादों को प्रोत्साहित करें।

गणगौर सजाओ प्रतियोगिता में सलोनी अग्रवाल को मिला प्रथम स्थान

गणगौर पूजन और विसर्जन कार्यक्रम का आयोजन

ज्योति पाठक

चाईबासा : अमला टोला स्थित रानी सती दादी मंदिर में मारवाड़ी युवा मंच एवं जागृति शाखा द्वारा गणगौर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, श्रद्धालु महिलाओं ने सुबह से ही पूजन संस्कार आरम्भ कर दिया जो शाम होने शिवा तालाब में विसर्जन के पश्चात समाप्त हुआ, जागृति शाखा की अध्यक्ष चंदा अग्रवाल ने पावन पर्व गणगौर की सबको बधाई देते हुए कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति गणगौर विसर्जन का यह कार्यक्रम बहुत ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया, यह आयोजन हमारी समृद्ध
सामाजिक संस्कृति की एक झलक है, ऐसे आयोजनों के जरिए हमें अपनी गौरवमयी इतिहास और परंपराओं को अक्षुण्ण बनाए रखना है . उन्होंने बताया कि नियमित कार्यक्रमों से इतर माहौल को रूचिकर और खुशनामा बनाने के लिए उपस्थित अतिथियों के लिए कई मनोरंजक प्रतियोगिता कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया, सदस्य सुचि चिरानिया एवं भारती अग्रवाल की अगुवाई में आयोजित गणगौर सजाओ प्रतियोगिता में सलोनी अग्रवाल को मिला प्रथम स्थान जबकि द्वितीय स्थान खुशी रुंगटा ने प्राप्त किया। बहू बेटियों के लिए आयोजित मारवाड़ी वेशभूषा प्रतियोगिता में प्रथम स्थान खुशी रुंगटा और द्वितीय स्थान खिरवाल ने प्राप्त किया उपरोक्त कार्यक्रम में शालिनी सराफ एवं सरला अग्रवाल ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इस दौरान मारवाड़ी युवा मंच एवं जागृति शाखा द्वारा महिलाओं के लिए जलपान की व्यवस्था भी की गई थी कार्यक्रम के दौरान युवा मंच के अध्यक्ष आशीष चौधरी. मुकेश मित्तल, प्रियम चिरानिया सलाहकार सदस्य पुरुषोत्तम शर्मा चाईबासा जागृति की अध्यक्ष चंदा अग्रवाल, सचिव रिंकी अग्रवाल कोषाध्यक्ष शिल्पा फिरोजीवाला सलाहकार सदस्य बीना अग्रवाल सरला दोदराजका लता अग्रवाल, दीपा दोदराजका खुशबू दोदराजका, प्रीति दोदराजका, स्वीटी दोदराजका इत्यादि सदस्यगण आदि मौजूद थे।

प्रशासक विजय हांसदा के उत्कृष्ट कार्यों से नगर परिषद् बना है उत्कृष्ट

ज्योति पाठक

अधिकारी की कार्य प्रणाली सुदृढ़ और जनहित के लिए हो तो इसका सार्थक परिणाम भी उपलब्धि भरा होता है जी हाँ हम बात कर रहे हैं चक्रधरपुर नगर परिषद् के प्रशासक विजय हांसदा की इनके योगदान देने के पश्चात नगर परिषद् में व्यवस्था काफी सुदृढ़ रही है सफाई का व्यापक प्रबंध, वाहनों की समुचित देखरेख, कर्मियों की सुधि इनके कार्य प्रणाली में शामिल है। नगर परिषद् की समुचित देखभाल और कार्यालय की गुणवत्ता और सुंदरता दोनों आलौकिक है। नगर परिषद् के चुनाव से लेकर अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और वार्ड पार्षद के लिए भी इनके द्वारा स्वागत और इनके लिए नगर परिषद् में ली गई सुधि भी काफी सराहनीय है। ऐसे अधिकारी से निश्चित तौर पर विभाग और क्षेत्र गौरवान्वित होता है। गौर तलब हो कि श्री हांसदा इससे पूर्व पुलिस विभाग के अधिकारी भी रह चुके हैं जिसके कारण अनुशासन और बेहतर कार्य दक्षता इनकी पहचान है।

समय पूर्व वेतन समझौता हमारी बड़ी उपलब्धि : आरके

जमशेदपुर : बेहतर वेतन समझौता के बाद टाटा मोटर्स में यूनियन के महामंत्री आरके सिंह व अध्यक्ष शशि भूषण के स्वागत व अभिनंदन का सिलसिला जारी है। रविवार को कंपनी परिसर स्थित ईआरसी, फाउंड्री व क्यूए कॉमन सर्विसेज (रोज हाउस) में दोनों पदाधिकारियों तथा यूनियन की पूरी टीम के साथ आरके सिंह फैंस क्लब के सदस्यों के स्वागत में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। ईआरसी में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में अध्यक्ष व महामंत्री के अलावा जीएम जीवराज संधु, विष्णु दीक्षित, आईआर की वरीय प्रबंधक आंचल सिंहा समेत अन्य मौजूद थे। कर्मचारियों द्वारा अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद एवं महामंत्री आरके सिंह को अंगवस्त्र एवं फूलों का माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। महामंत्री आरके सिंह ने कहा कि समय पूर्व वेतन समझौता हम सभी के लिए बड़ी उपलब्धि है। इसका श्रेय सारे मजदूरों को जाता है। उन्होंने कहा कि प्रबंधन के साथ वार्ता के दौरान कई बार असहजता महसूस होती है। परंतु धैर्य से हम सब लगातार बातचीत करते हैं। मजदूर हित में जितनी बार बातचीत करना पड़े, करते हैं। तब जाकर सुखद रिजल्ट निकलकर आता है। उन्होंने वेतन समझौता के विभिन्न बिंदुओं पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। कहा, यूनियन सभी के बारे में सोचती है। आप सभी के द्वारा जो सम्मान मिलता है, उससे यूनियन को ताकत मिलती है। उन्होंने कहा कि मजदूरों के चेहरे पर मुस्कान बनी रहे, यह ख्याल यूनियन हमेशा रखती है।

कान्हाचट्टी के सायल बगीचा में उमड़ा सनातनी जनसैलाब

सनातन धर्म दुनिया का सबसे पुराना धर्म है : भैरव सिंह

'विराट हिंदू सम्मेलन' में गूंजा जय श्री राम का उद्घोष

संवाददाता

चतरा : कान्हाचट्टी प्रखंड के श्री सीताराम सायल बगीचा की पावन धरा पर रविवार को एक ऐतिहासिक क्षण की साक्षी बनी विराट हिन्दू सम्मेलन। अवसर था भव्य 'विराट हिंदू सम्मेलन' का, जहाँ हजारों की संख्या में उमड़े सनातनी समाज ने अपनी अटूट एकता और अखंडता का शंखनाद किया। केसरिया ध्वजों से पटे पंडाल और 'जय श्री राम' के गगनभेदी नारों ने पूरे क्षेत्र के वातावरण को भक्तिमय और ऊजार्वान बना दिया। कार्यक्रम का विधिवत एवं भव्य शुभारंभ मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित बजरंग दल के क्षेत्रीय संयोजक जन्मजेय कुमार, मातृशक्ति क्षेत्र प्रमुख सुश्री शोभा रानी और प्रखर हिंदूवादी नेता भैरव सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। दीप प्रज्वलन के साथ ही उपस्थित जनसमूह ने करतल ध्वनि और जयघोष से अतिथियों का भावपूर्ण अभिनंदन किया।इस पूरे गरिमामयी कार्यक्रम का मंच संचालन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खंड कार्यवाह कमांडो रजक ने किया। उन्होंने अपनी ओजस्वी वाणी और अनुशासित शैली से कार्यक्रम की रूपरेखा को बांधे रखा। जिससे सम्मेलन का उत्साह अंत तक बना रहा।पूरा प्रखंड आज उस समय गौरवशाली इतिहास की गवाह बनी, जब 'विराट हिंदू सम्मेलन' में प्रखर हिंदूवादी नेता भैरव सिंह का आगमन हुआ। उनके पहुँचते ही पूरा परिसर 'जय श्री राम' और 'वीर भोग्य वसुंधरा' के गगनभेदी नारों से गूँज उठा। युवाओं के जोश और जनसैलाब की उपस्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया कि सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए कान्हाचट्टी की जनता पूरी तरह संकल्पित है।

केसरिया साफा और पुष्पवर्षा, पलक पावड़े बिछाकर हुआ भव्य स्वागत

जैसे ही प्रखर हिंदूवादी नेता भैरव सिंह कार्यक्रम स्थल पर पहुँचे, युवाओं की टोली ने गाजे-बाजे और जयघोष के साथ उनका अभूतपूर्व एवं गर्मजोशी से स्वागत किया। पुष्पवर्षा और केसरिया साफा पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया। उपस्थित जनसमूह का उत्साह देखते ही बन रहा था, मानो हर सनातनी हृदय अपने नायक के स्वागत में उमड़ पड़ा हो।

भैरव सिंह के संबोधन ने युवाओं की रगों में भरा जोश

मंच संभालते ही भैरव सिंह ने अपनी चिर-परिचित ओजस्वी शैली में सिंह गर्जना की। उनके एक-एक शब्द ने युवाओं की रगों में हिंदू स्वाभिमान का संचार कर दिया। उन्होंने कहाः
₹हम उस संस्कृति के संवाहक हैं जिसने पूरी दुनिया को सभ्यता सिखाई। आज समय आ गया है कि हिंदू समाज अपनी शक्ति को पहचाने, अपनी एकजुटता दिखाए और अपने धर्म व संस्कृति के विरुद्ध उठने वाली हर चुनौती का डटकर सामना करे।₹उनके संबोधन के दौरान बार-बार तालियों की गड़गड़ाहट और नारों ने कार्यक्रम में उत्साह का संचार किया। उन्होंने युवाओं को राष्ट्रभक्ति और धर्म रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया।कार्यक्रम में आए मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित बजरंग दल के क्षेत्रीय संयोजक जन्मजेय कुमार और मातृशक्ति क्षेत्र प्रमुख सुश्री शोभा रानी ने भी सभा को संबोधित किया। जहाँ जन्मजेय कुमार ने युवाओं को अनुशासन और संगठन की शक्ति बताई, वहीं सुश्री शोभा रानी ने महिलाओं को संस्कार और वीरता की प्रतिमूर्ति बनने की प्रेरणा दी।सम्मेलन का समापन उस समय बेहद भावुक और शक्तिशाली हो गया, जब भैरव सिंह के नेतृत्व में हजारों की संख्या में उपस्थित लोगों ने एक साथ खड़े होकर सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। हजारों कंठों से निकलने वाली चालीसा की ध्वनियों ने सायल बगीचा के कण-कण को ऊजार्वान बना दिया। पाठ के अंत में जब भैरव सिंह ने जयकारा लगाया, तो पूरा क्षेत्र मानो भक्ति के सागर में सराबोर हो गया।वही बिंदेश्वर साहू ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया।कार्यक्रम को सफल बनाने में सतीश सिंह,कमांडो रजक,अवधेश सिंग,प्रिंस सिंह,प्रदीप सिंह,नवल सिंह सहित सैकड़ों युवाओं ने जी तोड़ मेहनत किया।